खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 02 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-211

बॉक्सिंग में गोल्डन पंच

कॉमनवेल्थ गेम्स में 13 स्वर्ण पदकों के साथ भारत चौथे स्थान पर

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	61	37	50	148
2	इंग्लैंड	24	40	34	98
3	कनाडा	18	18	21	57
4	भारत	13	16	8	37
5	स्कॉटलैंड	11	8	17	36
6	नाइजीरिया	10	6	5	21

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का 10वां दिन भारत के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक कुल 13 पदक अपने नाम किए। सबसे अधिक चमक भारतीय मुक्केबाजों ने बिखेरी, जिन्होंने रिंग में दबदबा कायम रखते हुए देश को रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक दिलाए। इसके साथ ही भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों के एक ही संस्करण में बॉक्सिंग में सात स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

दिन के सबसे यादगार मुकाबले में सचिन सिवाच ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में नामीबिया के ट्राईगेन मॉर्निंग नदेवेलो को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया और भारत की झोली में एक और स्वर्ण जोड़ा।

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रिंग पर अपना दबदबा बनाए रखा। अरुंधति चौधरी, प्रीति पवार, जैस्मिन लंबोरिया, साक्षी चौधरी और प्रिया घंघास ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। वहीं अनुभवी मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया।

दिन की शुरुआत प्रीति पवार ने महिला 54 किलोग्राम वर्ग में कनाडा की स्कार्लेट डेलगाडो को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ की। पांचों निर्णायकों ने तीनों राउंड में प्रीति के पक्ष में 10-10 अंक दिए।इसके बाद जैस्मिन लंबोरिया ने नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकेला वॉल्श को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर भारत को बॉक्सिंग का एक और स्वर्ण दिलाया। हालांकि पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जादूमणि को ऑस्ट्रेलिया के झाई डिक्सन के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

पैरा एथलेटिक्स में भारत का दबदबा

पैरा एथलेटिक्स के शॉट पुट स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष दो स्थानों पर कब्जा जमाया। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता, जबकि शुभम जुयाल ने अंतिम प्रयास में ▶10पर

राष्ट्रहित सर्वोपरि रखें युवा : डोभाल

आजादी का मतलब मनमर्जी नहीं

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के पुणे में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें पारंपरिक पुणेरी पगड़ी, स्मृति-चिह्न, सम्मान राशि का चेक तथा गीता रहस्य की प्रति भेंट कर सम्मानित किया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में अजित डोभाल ने युवाओं को आजादी का सही अर्थ समझने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि देश को वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रूप में मजबूत नेतृत्व मिला है, जिसके कारण भारत आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का मजबूती से सामना करते हुए निरंतर प्रगति कर रहा है।

अपने संबोधन में डोभाल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग आजादी का मतलब मनमर्जी या बिना किसी जिम्मेदारी के कुछ भी करने की छूट मान लेते हैं, जबकि यह सोच उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि जिस मार्ग से राष्ट्रहित को नुकसान पहुंचता हो, उस पर कभी नहीं चलना चाहिए। प्रत्येक नागरिक का पहला दायित्व भारत को और अधिक शक्तिशाली, सुरक्षित तथा समृद्ध बनाने में अपना योगदान देना होना चाहिए।

अजित डोभाल ने कहा कि भारत इस समय तेज़ी से विकास के पथ पर अग्रसर है और यही कारण

है कि कई विरोधी शक्तियां देश की प्रगति से चिंतित हैं। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर केवल राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है और विश्व स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

लोकमान्य तिलक के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान

डोभाल ने अपने बचपन की स्मृतियां साझा करते हुए बताया कि प्रारंभिक शिक्षा के दौरान पुणे में ही उन्हें पहली बार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों को गहराई से जानने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन के दौर में जब अधिकांश लोग भय के कारण मौन थे, तब लोकमान्य तिलक ने निर्भीक होकर देश की आवाज बुलंद की। जेल जाने के बाद भी उन्होंने समाज और राष्ट्र की सेवा का कार्य नहीं छोड़ा।

शहजाद पूनावाला का तंज़

12 साल में भी तानाशाह नहीं बन पाए मोदी

नई दिल्ली, 01 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचकों पर तीखा व्यंग्य करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री 12 वर्षों में भी तानाशाह नहीं बन पाए। उन्होंने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस वीडियो संदेश के संदर्भ में की, जिसमें उन्होंने नीट परीक्षा से जुड़े प्रदर्शन के दौरान आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने वाले छात्रों को माफ करने की अपील की थी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक वीडियो में शहजाद पूनावाला ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी से निराश हैं, क्योंकि आलोचक उन्हें तानाशाह बताते हैं, जबकि उन्होंने 12 वर्षों में ऐसा कोई व्यवहार नहीं किया। उन्होंने कहा कि एक तानाशाह की तरह कार्रवाई करने के बजाय प्रधानमंत्री ने समाज, पुलिस और सभी संबंधित पक्षों से छात्रों को माफ करने तथा उन्हें सही मार्ग दिखाने की अपील की। पूनावाला के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्र हैं, उनसे गलतियां हो सकती हैं और उन्हें सुधारने का अवसर मिलना चाहिए। ▶10पर

निवेश से रोज़गार

विशाखापत्तनम को तटीय आर्थिक गलियारा के रूप में विकसित करने की योजना : मोदी

अमरावती, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निवेश से रोज़गार को सरकार का मूल मंत्र बताते हुए कहा है कि उनकी सरकार ने सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के साथ निजी क्षेत्र को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया है। श्री मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सहित 18000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं इस समय आंध्र प्रदेश की

विकास की रफ्तार को दर्शाती है। उन्होंने कहा, जब निवेश बढ़ता है, तो विनिर्माण बढ़ता है। विनिर्माण बढ़ता है, तो निर्यात बढ़ता है, निर्यात बढ़ता है, तो रोजगार के नए अवसर बनते हैं और रोजगार बढ़ता है, तो लोगों की आमदनी बढ़ती है, परिवारों की ज़िंदगी बेहतर होती है और आंध्र प्रदेश में हम यही होते देख रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि सरकार विशाखा-पत्तनम आर्थिक क्षेत्र को एशिया के प्रमुख आर्थिक केंद्रों के रूप में विकसित करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। देश में हवाई नेटवर्क के विस्तार के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि गत 12 वर्ष में विमानन क्षेत्र ने असाधारण प्रगति की है। वर्ष 2014 तक देश में केवल 74 हवाई अड्डे चालू थे। आज ये संख्या 166 हो गयी है। एक समय था जब हवाई उड़ानें सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित थीं। राजग सरकार में आज छोटे शहरे के साधारण लोग भी हवाई जहाज से आ-जा रहे हैं।

▶10पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ब्राड पीक पर हिमस्खलन : आठ पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता

गिलगित

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान स्थित दुनिया की 12वीं सबसे ऊंची चोटी ब्राड पीक (8,051 मीटर) पर आए भीषण हिमस्खलन में लापता हुए अभियान दल के आठ पर्वतारोहियों की मौत की पुष्टि हो गई है। बचाव दल ने उनके शव बरामद कर लिए हैं, जबकि दो पर्वतारोही अब भी लापता हैं। खराब मौसम के बीच खोज और बचाव अभियान लगातार जारी है।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविज़न चैनल दुनिया न्यूज़ ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि, हादसा उस समय हुआ जब 10 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अभियान दल शिखर की ओर बढ़ रहा था। पाकिस्तान सेना के हेलीकाप्टरों, ज़मीनी बचाव टीमों और हाई-एल्टीट्यूड रेस्क्यू कर्मियों की मदद से बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

अल्पाइन क्लब आफ पाकिस्तान (एसीपी) ने बताया कि अब तक बरामद शवों में से चार की पहचान हो चुकी है। मृतकों में ओमान की पर्वतारोही नाधिरा अहमद अब्दुल्ला अल हारथी और नेपाल के पर्वतारोही पुर बहादुर गुरुंग शामिल हैं। तीन शवों को पाकिस्तान सेना के हेलीकाप्टरों के जरिए स्कार्दू पहुंचाया गया है।

एसीपी के अनुसार, अभियान दल में नेपाल के छह तथा पाकिस्तान, ओमान, चीन और अमेरिका के एक-एक पर्वतारोही शामिल थे। नेपाली दल में प्रसिद्ध पर्वतारोही निर्मल पुर्जा, पुर बहादुर गुरुंग, किली पेम्बा शेरपा, निमा शेरपा, नवांग थिंडू शेरपा और ग्यालु शेरपा शामिल थे। अन्य सदस्यों में पाकिस्तान के सोहेल सखी, चीन के वांग झोंग, अमेरिका की मैलोरी गीस और ओमान की नाधिरा अल हारथी शामिल थीं।

एसीपी के महासचिव अयाज शिगरी ने बताया कि शुरुआती जीपीएस डेटा से संकेत मिलता है कि हिमस्खलन ने पर्वतारोहियों को करीब 1,000 मीटर नीचे धकेल दिया, जिससे वे पहाड़ के बेहद कठिन हिस्से में फंस गए। हादसे के समय कई अभियान दल एक साथ शिखर पर पहुंचने का प्रयास कर रहे थे।

बचाव अधिकारियों ने आशंका जताई है कि अभियान दलों के साथ काम कर रहे कुछ स्थानीय हाई-एल्टीट्यूड पोर्टर भी हिमस्खलन की चपेट में आए हो सकते हैं, हालांकि उनकी स्थिति को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री अमजद हुसैन एडवोकेट ने सभी संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रहने और पाकिस्तान सेना के साथ मिलकर बचाव अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस हादसे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि दुनिया के सबसे प्रसिद्ध पर्वतारोहियों में गिने जाने वाले निर्मल पुर्जा का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। पुर्जा ने वर्ष 2019 में केवल छह महीने और छह दिनों में 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ाई कर विश्व रिकार्ड बनाया था। उन्होंने 2021 में पूरी तरह नेपाली टीम के साथ के2 (जिसे माउंट गाडविन-आस्टिन के नाम से भी जाना जाता है) की पहली सफल शीतकालीन चढ़ाई में भी अहम भूमिका निभाई थी।

न्यूज ब्रीफ

यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल टेक्नोलाजी देने पर ट्रंप का इनकार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका ने यूक्रेन को अत्याधुनिक पैट्रियट मिसाइल टेक्नोलाजी देने या उसके निर्माण का लाइसेंस देने पर कोई अंतिम सहमति नहीं दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की संवेदनशील सैन्य तकनीक का हस्तांतरण शायद कभी नहीं होगा। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की को पैट्रियट मिसाइल निर्माण का लाइसेंस मिलने से पहले कोई अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी होंगी। इस पर ट्रंप ने कहा, ये हथियार बेहद उन्नत हैं। हमें इस बात को लेकर बहुत सावधान रहना होगा कि इन्हें कोई और न बनाए। हमने अभी तक इसकी मंजूरी नहीं दी है। इस पर बातचीत चल रही है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसी टेक्नोलाजी दी जाएगी। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी होगा। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में ज़ेलेंस्की ने वाशिंगटन डीसी में ट्रंप से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि ट्रंप यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम के निर्माण का लाइसेंस देने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, ट्रंप के ताजा बयान ने ज़ेलेंस्की के इस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले प्रकाशित एक इंटरव्यू में भी ट्रंप ने कहा था कि वह यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल निर्माण की अनुमति देने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका अभी भी अपनी उन्नत रक्षा तकनीक के हस्तांतरण को लेकर बेहद सतर्क है और इस मुद्दे पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

धनुषा और सिरहा के कई इलाकों में कर्फ्यू जारी, सुबह 5 से 10 बजे तक आवश्यक सामान खरीदने की छूट

काठमांडू। नेपाल के धनुषा और सिरहा जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में कर्फ्यू आदेश अभी भी लागू है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने लोगों को आवश्यक दैनिक उपभोग की वस्तुएँ खरीदने के लिए सुबह 10 :00 बजे तक घरों से बाहर निकलने की अनुमति दी है। दोनों जिलों के जिला प्रशासन कार्यालयों के अनुसार, कर्फ्यू के दौरान अस्पताल, औषधि दुकानें, हवाई सेवाएँ, रसोई गैस की आपूर्ति, पेट्रोलियम पदार्थों का परिवहन एवं बिक्री, एम्बुलेंस सेवा, दमकल, शव वाहन तथा पेयजल और दूध की आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाएँ नियमित रूप से संचालित होती रहेंगी। इसके अलावा, स्वास्थ्यकर्मी, सरकारी कर्मचारी, पत्रकार, नेपाल रेडक्रास के कर्मचारी, तीर्थयात्री, मरीज तथा हवाई अड्डे की यात्रा करने वाले यात्रियों को संबंधित निकाय द्वारा जारी वैध परिचय पत्र या हवाई टिकट दिखाने पर कर्फ्यू के दौरान आवागमन की अनुमति दी जाएगी।

रात में ज्वालामुखी की नीली आग से जगमगाती हैं पहाड़ियां

जकार्ता। आमतौर पर ज्वालामुखी लाल-गर्म लावा और धुएं के गुबार के रुप में होती है लेकिन इंडोनेशिया में स्थित एक ज्वालामुखी में रात के समय में नीले रंग की चमकदार लपटें दिखाई देती हैं। ज्वालामुखी को उसकी यही विशेषता दुनिया के सबसे अनोखे प्राकृतिक स्थलों में शामिल करती हैं। यह ज्वालामुखी कावाह इजेन के नाम से जाना जाता है और इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर स्थित है। इसकी रहस्यमयी नीली आग हर साल हजारों पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करती है। हालांकि आम तौर पर इसे नीला लावा कहा जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार यहां वास्तव में नीले रंग का लावा नहीं निकलता। इस ज्वालामुखी में बड़ी मात्रा में सल्फर गैस निकलती है। जब यह गैस अत्यधिक तापमान पर जलती है तो चमकदार नीली लपटें पैदा होती हैं। यह गैस लगभग 600 डिग्री सेल्सियस तक जल सकती है, जिससे रात के अंधेरे में अद्भुत नीली रोशनी दिखाई देती है। वैज्ञानिक इस प्राकृतिक घटना को ब्लू फायर के नाम से जानते हैं। दिन के समय यह ज्वालामुखी सामान्य दिखाई देता है, लेकिन अंधेरा होते ही इसका दृश्य किसी रहस्यमयी दुनिया जैसा प्रतीत होता है। कावाह इजेन केवल अपनी नीली आग के कारण ही प्रसिद्ध नहीं है, बल्कि यहां स्थित झील भी दुनिया की सबसे अधिक अम्लीय (एसिडिक) झीलों में गिनी जाती है।

अमेरिका समुद्री सैन्य क्षमता बढ़ाने 76.6 अरब डालर के जहाज बनाने करेगा सौदा

यह निवेश कई दशकों तक देश सुरक्षा और परमाणु प्रतिरोध क्षमता को मजबूत बनाएगा

वाशिंगटन

अमेरिका ने अपनी समुद्री सैन्य क्षमता और परमाणु प्रतिरोधक शक्ति को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए 76.6 अरब डालर के विशाल जहाज बनाने का ऐलान किया है। इस ऐतिहासिक रक्षा सौदे के तहत पांच नई कोलंबिया क्लास बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों और नौ वर्जीनिया क्लास परमाणु हमला करने वाली पनडुब्बियों का निर्माण किया जाएगा। अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा है कि यह निवेश आने वाले कई दशकों तक देश की समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक बढ़त और परमाणु प्रतिरोध क्षमता को मजबूत बनाएगा।

इस परियोजना का प्रमुख ठेका अमेरिकी रक्षा कंपनी जनरल डायनेमिक्स इलेक्ट्रिक बोट को दिया है, जिसे पांच कोलंबिया क्लास पनडुब्बियां बनाने की जिम्मेदारी मिली है। वहीं वित्त वर्ष 2025 से 2029 तक तैयार होने वाली नौ वर्जीनिया क्लास पनडुब्बियों का निर्माण जनरल डायनेमिक्स इलेक्ट्रिक बोट और एचआईआई-न्यूपोर्ट न्यूज शिपबिल्डिंग संयुक्त रूप से करेंगे। सरकार ने दोनों कंपनियों को शिपयार्ड की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त सहयोग भी दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी नौसेना के पास फिलहाल 26 वर्जीनिया क्लास परमाणु हमला करने वाली पनडुब्बियां सक्रिय सेवा में हैं।

नए अनुबंध के बाद 23 और वर्जीनिया क्लास पनडुब्बियां निर्माणाधीन या स्वीकृत परियोजनाओं में शामिल हो जाएंगी। वहीं इस समझौते के साथ सात कोलंबिया क्लास बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां भी अनुबंध के दायरे में आ चुकी हैं, जो भविष्य में पुरानी ओहायो क्लास पनडुब्बियों का स्थान लेंगी और अमेरिका की समुद्र आधारित परमाणु प्रतिरोध प्रणाली की रीढ़ बनेंगी। अमेरिकी नौसेना के पनडुब्बी कार्यक्रमों के निदेशक वाइस एडमिरल राबर्ट गौशर ने कहा कि यह निवेश समुद्र के अंदर अमेरिका की सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखने और सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दीर्घकालिक रणनीति का अहम हिस्सा है।

अमेरिका में बच्चों को एआई लत से बचाने नया कानून : कंपनियों पर लगेगा भारी जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका में बच्चों और किशोरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबोट्स की लत से बचाने और उनके मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण पहल हुई है। डेमोक्रेटिक सांसद बेका बालिंट ने एडिक्टिव डिज़ाइन एक्ट नामक एक नया विधेयक पेश किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य एआई चैटबोट कंपनियों को इसतरह के फीचर्स का इस्तेमाल करने से रोकना है जो नाबालिगों को तकनीक पर भावनात्मक रूप से निर्भर बना दें या उसकी लत लगा दें। यह विधेयक तब आया है जब अमेरिका में बड़ी संख्या में किशोर मानसिक तनाव और भावनात्मक समस्याओं के दौरान चैटबोट्स का सहारा ले रहे हैं। सांसद बालिंट के मुताबिक, अधिकांश चैटबोट ऐसी संवेदनशील स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं हैं, और इनका अत्यधिक उपयोग बच्चों के दिमाग पर बुरा असर डाल रहा है। बालिंट ने स्पष्ट किया कि टेक कंपनियाँ सालों से लोगों का ध्यान खींचने और उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन से जोड़े रखने के लिए तरीके अपनाती रही हैं, लेकिन किशोरों के साथ ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत, कंपनियों को नाबालिगों के लिए इसतरह के चैटबोट उपलब्ध करने से रोका जाएगा जिसमें लत लगने का खतरा अधिक हो। इसमें टाइपिंग बबल, अवतार, पुरानी बातचीत की जानकारी का दोबारा इस्तेमाल, बातचीत जारी रखने के लिए भुगतान या लगातार जुड़े रहने की जरूरत, दो घंटे से अधिक चलने वाली बातचीत और किसी वास्तविक इंसान की नकल करने वाले प्रोग्राम जैसे फीचर्स शामिल हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर कंपनियों पर प्रति नाबालिग यूजर 5000 डालर तक का भारी सिविल जुर्माना लगेगा। वहीं, रिसर्च के लिए आवश्यक डेटा उपलब्ध नहीं कराने पर 1 करोड़ डालर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

लगातार बारिश से नेपाल के कई प्रमुख राजमार्ग बाधित, भूस्खलन और कटान से यातायात प्रभावित

काठमांडू

लगातार हो रही बारिश, भूस्खलन, बाढ़ और सड़क कटान के कारण नेपाल के कई प्रमुख राजमार्गों और सड़क खंडों पर यातायात प्रभावित हो गया है। नेपाल पुलिस द्वारा यातायात अपडेट के अनुसार, कई सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध हो गई हैं, जबकि संवेदनशील मार्गों पर रात के समय वाहनों के संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए काभ्रेपलाञ्चोक और सिंधुली को जोड़ने वाले बीपी राजमार्ग के खुरकोट-नेपालथोक-कटुन्जेबेसी खंड पर सभी प्रकार के वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

इसी तरह, कांति लोकपथ पर भी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। वहीं, लगातार बारिश के कारण सड़क कीचड़युक्त हो जाने से इलाम नगरपालिका स्थित मेची राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। सिंधुपालचोक जिले की भोटेकोशी नगरपालिका के जिरोकिलो और कोदारी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण अरनिको राजमार्ग भी पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। दोलखा जिले में सुनकोशी नदी द्वारा सड़क का हिस्सा कट जाने से तामाकोशी ग्रामीण नगरपालिका के किरनेतार स्थित लामोसाङ्घु-रामेछाप सड़क खंड पर भी यातायात बाधित हो गया है। रसुवा जिले की उत्तरगया ग्रामीण नगरपालिका के खाल्टे क्षेत्र में त्रिशूली नदी के कटान के कारण पासाङ ल्हामु राजमार्ग भी पूरी तरह बंद हो गया है। नेपाल पुलिस ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले संबंधित अधिकारियों से सड़क की ताज़ा स्थिति की जानकारी लेने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि जारी मानसून के दौरान भूस्खलन, बाढ़ और सड़क क्षति का खतरा अभी भी बना हुआ है।

वैज्ञानिकों को मिला पालिथीन और प्लास्टिक को तोड़ने वाला फंगस

वाशिंगटन। पर्यावरण प्रदूषण को रोकना आज पूरी दुनिया के सामने चुनौती बना हुआ है। विशेषकर प्लास्टिक प्रदूषण आज पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे फंगस की पहचान की है, जो प्लास्टिक को तोड़ने की क्षमता रखता है। वैज्ञानिकों की इस ताजा खोज को भविष्य में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार अमेजन वर्षावनों में सूक्ष्मजीवों पर शोध के दौरान इस विशेष फंगस का पता चला। शुरुआती अध्ययनों में देखा गया कि यह फंगस प्लास्टिक की सतह पर विकसित होकर धीरे-धीरे उसे विघटित करने लगता है। प्रयोगशाला परीक्षणों में यह पालिथीन बैग, प्लास्टिक की बोतलों और कुछ अन्य सिंथेटिक पालिमरों के रासायनिक बंधनों को तोड़ने में सक्षम पाया गया। इस प्रक्रिया के दौरान प्लास्टिक अपेक्षाकृत सरल यौगिकों में बदल जाता है, जो पर्यावरण के लिए कम हानिकारक माने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह फंगस विशेष एंजाइम छोड़ता है, जो प्लास्टिक की लंबी पालीमर श्रृंखलाओं को छोटे-छोटे अणुओं में तोड़ देते हैं।

स्पेन के स्यूटा में प्रवासी संकट : 48,000 से अधिक लोग मोरक्को लौटे, ट्रंप ने सरकार को घेरा

मैड्रिड

उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में प्रवासियों की भारी आमद के बाद हालात धीरे-धीरे नियंत्रण में आने लगे हैं। स्पेन सरकार के अनुसार, सीमा पार करने वाले 60,000 प्रवासियों में से 48,300 से अधिक लोग अपनी मर्जी से मोरक्को लौट चुके हैं।

फ्रांस की सरकारी अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविज़न नेटवर्क फ्रांस 24 के मुताबिक स्पेन के गृह मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में लोग जमीन और समुद्र के रास्ते स्यूटा पहुंचे थे, जिससे वहां अफरा-तफरी और मानवीय संकट जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। हालात पर काबू पाने के लिए मोरक्को की सुरक्षा बलों ने सीमा पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया तथा नए प्रवासियों को सीमा पार करने से रोकने की कोशिश की।

यूरोपीय आयोग (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन ने इस स्थिति को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि यूरोपीय संघ में बिना नियमों का पालन किए किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती।

इस बीच इटली ने स्पेन को शेंगेन फ्री-मूवमेंट ज़ोन से निलंबित करने की मांग की। बाद में फिनलैंड और डेनमार्क ने भी इस मांग का समर्थन किया। वहीं, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने मोरक्को से अवैध प्रवासियों को तुरंत वापस लेने की अपील की।

फ्रांस और ब्रिटेन ने संकट से निपटने में स्पेन की मदद की पेशकश की है, जबकि फ्रांस ने स्पेन से लगी अपनी सीमा पर सुरक्षा जांच भी कड़ी कर दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रवासी संकट को लेकर स्पेन सरकार पर निशाना साधा। मैरीलैंड स्थित कैंप डेविड में कैबिनेट बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि स्यूटा में जो हालात बने हैं, वे अनियंत्रित प्रवासन के खतरे का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मैंने स्पेन में हुई तबाही देखी। ऐसा लग रहा था जैसे लाखों लोगों ने किसी देश पर हमला कर दिया हो। अगर सही नीतियां नहीं अपनाई गईं तो अमेरिका में भी इससे बड़े हालात बन सकते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने भी एक बयान जारी कर स्पेन सरकार पर यूरोप में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिका इस मुद्दे पर अपने सहयोगियों के साथ संभावित कदमों पर विचार कर रहा है।

यूरोप के कई दक्षिणपंथी नेताओं ने भी इस संकट को लेकर सख्त प्रतिक्रिया दी। जर्मनी की अल्टरनेटिव फार जर्मनी (एएफडी) पार्टी की सह-नेता ऐलिस वाइडेल ने कहा कि बड़ी संख्या में प्रवासियों का आगमन पूरे यूरोप के लिए चुनौती है। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस ने भी स्पेन की आव्रजन नीति पर सवाल उठाए।

हालांकि, स्पेन सरकार का कहना है कि स्थिति अब तेजी से सामान्य हो रही है और बड़ी संख्या में प्रवासी स्वेच्छा से मोरक्को लौट चुके हैं। सरकार ने अन्य देशों पर इस मानवीय संकट का राजनीतिक लाभ उठाने का भी आरोप लगाया।

नेपाल-भारत सीमा पर तकनीकी वार्ता : लखनऊ में होगी सर्वे अधिकारियों की अहम बैठक

काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच सीमा संबंधी तकनीकी विषयों पर विचार-विमर्श के लिए सर्वे अधिकारी समिति (एसओसी) की 13वीं बैठक 12-14 अगस्त तक भारत के लखनऊ में आयोजित होगी। इस बैठक में सीमा कार्य समूह (बीडब्ल्यूजी) की 7वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्ययोजना और बजट को मंजूरी दिए जाने की उम्मीद है।

बीडब्ल्यूजी, सुस्ता और कालापानी को छोड़कर नेपाल-भारत सीमा से जुड़े तकनीकी मामलों पर काम करने वाला दोनों देशों के बीच का सर्वोच्च द्विपक्षीय तंत्र है। इसके अधिकार क्षेत्र में सुस्ता और कालापानी विवाद शामिल नहीं हैं।

नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नापी विभाग के उपमहानिदेशक सुशील डंगोल करेंगे।

पिछले वर्ष 30 जुलाई को हुई बीडब्ल्यूजी की सातवीं बैठक में दोनों देशों ने अगले तीन वर्षों के भीतर नए सीमा स्तंभों का निर्माण, क्षतिग्रस्त स्तंभों की संयुक्त मरम्मत तथा अन्य तकनीकी कार्य पूरे करने पर सहमति बनाई थी।

बैठक में यह भी तय हुआ था कि दशगजा क्षेत्र में हुए अतिक्रमण का अभिलेख तैयार किया जाएगा तथा दोनों देशों के नागरिकों की सीमा पार स्थित संपत्तियों का विवरण भी संकलित किया जाएगा। निर्धारित समयसीमा के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं और अब शेष एक वर्ष के लिए नई कार्ययोजना तैयार की जाएगी। नेपाल द्वारा वर्ष 2020 में नया राजनीतिक मानचित्र जारी किए जाने के बाद नेपाल-भारत सीमा का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख एजेंडा बन गया था। हालांकि, तकनीकी स्तर पर सीमा संबंधी कार्य इससे पहले से ही जारी रहे हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2014 में नेपाल यात्रा के दौरान बीडब्ल्यूजी के गठन पर सहमति बनी थी। इसके कार्यक्षेत्र में दशगजा क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त कराना, सीमा स्तंभों का निर्माण, पुनर्स्थापना और मरम्मत, सीमा पार संपत्तियों के अभिलेख को अद्यतन करना तथा अन्य तकनीकी कार्य शामिल हैं।

दोनों देशों ने 2015 में तीन वर्षों के भीतर इन कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य पूरा नहीं होने पर 2017 में समयसीमा बढ़ाकर 2022 तक कार्य समाप्त करने का निर्णय लिया गया था। लेकिन बजट की कमी, कोविड-19 महामारी, समय-समय पर उत्पन्न सीमा विवादों तथा प्रतिकूल मौसम के कारण यह लक्ष्य भी पूरा नहीं हो सका। कोविड महामारी और वर्ष 2020 के सीमा विवाद के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई ठंडक के कारण 2019 के बाद बीडब्ल्यूजी की बैठक नहीं हो सकी थी। नापी विभाग के अनुसार, इस बार की बैठक में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) बेस स्टेशन के उन्नयन की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल-भारत सीमा पर वर्तमान में 8,554 सीमा स्तंभ हैं। इनमें से 1,325 स्तंभ लापता हैं, जबकि 1,956 स्तंभ आंशिक या पूरी तरह क्षतिग्रस्त हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने को जा सकते हैं। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका पैसा तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे यह बात भली भांति जान लें नहीं तो आपको आने वाले समय में पछताना पड़ेगा। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। प्रभावशाली लोगों से संपर्क करना आपके लिए अच्छे परिणाम लाएगा। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मानसिक तौर पर आप स्थिर महसूस नहीं करेंगे– इसलिए इस बात का ख़याल रखें कि दूसरों के सामने आप कैसे बर्ताव करते और बोलते हैं। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। जी–वनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे । आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। नौकरी–पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सिर्फ़ सकारात्मक विचारों के ज़रिए इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में दिल लगाने से बचें नहीं तो आपकी बदनामी हो सकती है। यदि आप किसी से जुड़ना भी चाहते हैं तो ऑफिस से दूरी बनाकर ही उनसे बात करें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान–पुण्य के काम में सहभागिता करें। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभा–वना है। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। गर्लफ़्रेण्ड/बॉयफ़्रेण्ड से धोखा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आपका जीवनसाथी रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा करने से अपने हाथ पीछे खींच सकता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 अगस्त 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 11:17 तक
नक्षत्र : पूर्वभाद्पदा रात्रि 09:38 तक
योग : आतिगंड रात्रि 10:38 तक
करण : बव प्रात: 10:17 तक
चन्द्रराशि : कुंभ दोपहर 03:27 तक
सूर्योदय : 05:55,सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:16 से, कर्दम चातुर्मास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह–2026 का भव्य एवं सफल आयोजन

प्रो. आर. लिम्बाद्री मुख्य अतिथि, प्रो. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता

शुभ लाभ के कार्यकारी संपादक हुए सम्मानित

गोदान पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर किया

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रिसर्च फाउंडेशन फॉर डिवोशनल लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज़ के सहयोग से डॉ. बी. आर. अम्बेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली में दिनांक 31 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह–2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक एवं सामाजिक चेतना को स्मरण करते हुए हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साहित्यकारों, शिक्षकों एवं विद्वानों को सम्मानित करना था। उस्मानिया विश्वविद्यालय एवं डॉ. बी.आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. आर. लिम्बाद्री, पूर्व अध्यक्ष, तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीएससीएचई) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रदीप कुमार (सेवानिवृत्त), पूर्व प्राचार्य, निज़ाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने की।

कार्यक्रम में अनेक शिक्षाविदों एवं साहित्यप्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. भट्टू रमेश, निदेशक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना सरकार; प्रो. पी. बाला भास्कर, संयुक्त निदेशक, कॉलेजिएट एजुकेशन, तेलंगाना; प्रो. जी. यादगिरी, पूर्व संयुक्त निदेशक, कॉलेजिएट एजुकेशन; प्रो. चंद्र मुखर्जी, प्राचार्य, इंदिरा प्रियदर्शिनी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, नामपल्ली सहित विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं विद्वान उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान हिंदी साहित्य एवं भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक विद्वानों एवं समाजसेवियों को प्रेमचंद साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने वालों में हरि प्रसाद व्यास, कार्यकारी संपादक, हिंदी शुभ लाभ दैनिक समाचार पत्र; प्रो. मजीद बेदार (सेवानिवृत्त), उस्मानिया विश्वविद्यालय; डॉ. प्रमिला, ईएफएलयू, हैदराबाद; डॉ. वी. पार्वती, तेलंगाना विश्वविद्यालय; डॉ. गुलरेना, तेलंगाना विश्वविद्यालय; डॉ. राजेंद्र कुमार, गवर्नमेंट सिटी कॉलेज, हैदराबाद; डॉ. एच. के. वंदना, एबीवी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जंगांव; डॉ. वी. रामकोटी, पूर्व प्राचार्य, अब्दुल्ला ओरिएंटल कॉलेज, हैदराबाद; टी. रामदास, डीसीपी, हैदराबाद सिटी ट्रैफिक पुलिस; डॉ. वी. वेंकटेश्वर राव, पूर्व एजीएम, केनरा बैंक; डॉ. पी. माधवी, हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली; प्रो. चंद्रशेखर कनसे, एसपीपी महाविद्यालय, यवतमाल, महाराष्ट्र; डॉ. सी. कवि राजू, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, हनमकोंडा; डॉ. ए. पुष्पावली, हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद तथा श्रीमती एस. किरण कुमारी, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, इंदिरा प्रियदर्शिनी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, नामपल्ली आदि प्रमुख रहे।

कार्यक्रम में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को और अधिक प्रभावशाली बनाया। विशेष आकर्षण के रूप में प्रेमचंद के प्रसिद्ध उपन्यास गोदान पर आधारित मंचीय नाट्य प्रस्तुति आयोजित की गई, जिसका मंचन प्रो. प्रदीप कुमार एवं डॉ. एच. के. वंदना द्वारा किया गया। इस प्रस्तुति के माध्यम से प्रेमचंद के साहित्य में निहित सामाजिक यथार्थ, ग्रामीण जीवन, मानवीय संवेदनाओं तथा सामाजिक विषमताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इस नाटक की प्रस्तुति से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि होरी एवं धनिया की भूमिका में आचार्य प्रदीप कुमार और डॉ. एच. के. वंदना ने अपनी अभिनय कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को नवरस के साथ भावविभोर कर दिया। हैदराबाद महानगर में गोदान नाटक को पहली बार मंचित किया गया।

समारोह के वक्ताओं ने प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचंद ने साहित्य को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी रचनाएँ आज भी सामाजिक न्याय, मानवीय मूल्यों, समानता और संवेद–नशीलता का संदेश देती हैं। ऐसे साहित्यिक आयोजन नई पीढ़ी को हिंदी साहित्य एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर डॉ. वी. रामकोटी द्वारा संपादित पुस्तक शोध प्रविधि का लोकार्पण प्रो. आर. लिम्बाद्री, प्रो. भट्टू रमेश, प्रो. जी. यादगिरी, आचार्य प्रदीप कुमार, डॉ. प्रमिला एवं प्रो. चंद्र मुखर्जी के कर–कमलों से किया गया।

कार्यक्रम का समापन सम्मानित अतिथियों, विद्वानों, आयोजकों, शिक्षकों एवं उपस्थित विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हुआ।

समारोह ने हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया तथा प्रेमचंद की साहित्यिक विरासत को जन–जन तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी सार्थकता सिद्ध की।

समग्र रूप से प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह–2026 एक सफल, गरिमापूर्ण एवं साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन रहा, जिसने हिंदी साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत विद्वानों को एक सुंदर मंच प्रदान किया। इससे हैदराबाद के हिंदी प्रेमियों और हिंदी प्रचारकों ने बहुत कुछ सीखा।

एलबीएमटी हाई स्कूल और जीकेपीएस का सम्मान प्रदान समारोह संपन्न

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित लीला बाई मोतीलाल तोंदावाले (एलबीएमटी) हाई स्कूल और जीकेपीएस का सम्मान समारोह कार्यक्रम विद्यालय के प्रांगण में शनिवार दि. 01/08/2026 को भव्यता से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम् गीत, माता सरस्वती की वंदना और पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। समिति के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद कुमारजी केडिया को पौधा देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला ने अतिथियों का सम्मान स्वागत संवोधन से करते हुए कहा कि, हमारा उद्देश्य केवल नये विद्यार्थियों का चुनाव करना ही नहीं बल्कि उनमें कर्तव्य निर्वहन, आत्मविश्वास और नेतृत्व के भाव उत्पन्न करना है। एक नेता में धर्य, साहस और नैतिक मूल्यों का होना आवश्यक है ताकि संस्था प्रगति की ओर अग्रसर हो।

मंचासीन पदाधिकारियों ने छात्र परिषद के छात्रों को बैजेस देकर सम्मानित किया। विद्यालय में उपस्थित चारों गृहों (लाल, पीला, हरा, नीला) के छात्रों ने मार्चपास्ट किया। छात्र परिषद के छात्रों को उनके कर्तव्य व जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए शपथ दिलाई गई। छात्र परिषद के विद्यार्थियों में हेड ब्वाय–कल्प जैन, हेडगर्ल– शरमिष्ठा पाल, डिप्टी हेडब्याव– अंकित बारिक, डिप्टी हेडगर्ल– के. प्रत्युषा, लिटररी कप्तान यशस्वी जाटकिया और नीलिमा पाल, कल्चरल कप्तान– त्रिशा छाटिक और पी. निहारिका, डिसिप्लिन कप्तान– मो. शाहिद और कशिश शर्मा, पंक्चुअलिटी–कप्तान मयंक शर्मा और प्रेम शर्मा, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी– राम मिश्रा, स्पोट्स कप्तान– अनिरुद्ध और तनिशा, लालगृह कप्तान– सुवोश्री सानी, उपकप्तान– सोहम खनरा, पीलागृह कप्तान– विराट शर्मा, उपकप्तान – माही अग्रवाल, हरागृह कप्तान – पूर्वी मिश्रा, उपकप्तान एन. छवि, नीलागृह कप्तान– कुशांत चांडक, उपकप्तान – भावेश नाइक हैं।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि, आजका दिन समिति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन हैं। नेतृत्व प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों में समर्पण, दृढ़ संकल्प, एकता, साहस, नैतिक मूल्य, अनुशासन आदि गुणों का होना आवश्यक है क्योंकि आज का विद्यार्थी कल देश का कर्णाधार भी बन सकता है और अपनी गुणवत्ता से देश का विकास कर सकता है। आज मैं इस प्रांगण में अनुशासन का अद्भुत दृश्य देख रहा हूँ। उन्होंने यह भी कहा कि, सर्वश्रेष्ठ कर दिखायें और कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

समिति के मानदमंत्री सीए नवीनकुमार अग्रवाल ने कहा कि, आज का समारोह विद्यार्थी जीवन का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे छात्र अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हैं। यह समिति की एक पहचान संस्था है। उन्होंने कहा कि छात्र परिषद की नियुक्ति एक अधिकार ही नहीं बल्कि कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का क्षेत्र है जहां पर अपनी संस्था, अभिभावकों और देश का नाम रौशन करना है। चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड श्री श्याम सुंदर अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, निर्वाचित और चयनित विद्यार्थी बधाई के पात्र हैं। इनमें एकता, अखंडता और समर्पण की भावना होनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि, विद्यार्थियों को बड़े–बड़े सपने देखने चाहिए उनको पूरा करने के लिए पूर्ण निष्ठा और लगन से मेहनत करना चाहिए तभी सफलता प्राप्त होगी, मंजिल मिलेगी।

अवसर पर समिति के मंत्री एवं एलबीएमटी हाई स्कूल और जीकेपीएस के कॉरस्पांडेंट श्री राजेश अग्रवाल, विद्यालय के समन्वयक प्रदीप कुमार अग्रवाल, डी. बी. गर्ल्स जूनियर कॉलेज के कॉरस्पाँडेंट एवं आरकेडब्ल्यूसी के समन्वयक श्री मनीष अग्रवाल, गवर्निंग बोर्ड के सदस्य श्री महेश तुलस्वान, सीए विनय गोयल, अकादमिक सहनिदेशक डॉ राजेश अग्रवाल, समिति की सीए ओ श्रीमती आराधना मोदानी, जीकेपीएस की इंचार्ज प्राचार्य श्रीमती निधि कौशिक, अग्रवाल ब्यॉज जूनियर कॉलेज के प्राचार्य उमेश कुमार सभी संस्थानों के प्राचार्यगण, अध्यापकगण, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती के. पल्लवी ने किया। आभार उद्घाटन श्रीमती रिता माथुर द्वारा किया गया। सामूहिक राष्ट्र–गान से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इसबार क्यों खास है सावन का चारों सोमवार, हर सोमवार का है ऐसा विशेष महत्व

शिव को श्रावण का सोमवार विशेष रूप से प्रिय है। श्रावण में भगवान आशुतोष का गंगाजल व पंचामृत से अभिषेक करने से शीतलता मिलती है। भगवान शिव की हरियाली से पूजा करने से विशेष पुण्य मिलता है। खासतौर से श्रावण मास के सोमवार को शिव का पूजन बेलपत्र, भांग, धतूरे, दूर्वाकुर आक्खे के पुष्प और लाल कनेर के पुष्पों से पूजन करने का प्रावधान है।

शिव को श्रावण का सोमवार भक्ति पूर्वक शिव की पूजा करने से कार्य क्षेत्र एवं जीवन के दूसरे क्षेत्रों में आने वाली बाधाओं का निवारण होता है। जीवन पर आने वाले संकट टल जाते हैं।

इसके अलावा पांच तरह के जो अमृत बताए गए हैं उनमें दूध, दही, शहद, घी, शर्करा को मिलाकर बनाए गए पंचामृत से भगवान आशुतोष की पूजा कल्याणकारी होती है। भगवान शिव को बेलपत्र चढाने के लिए एक दिन पूर्व सायंकाल से पहले तोडकर रखना चाहिए। सोमवार को बेलपत्र तोडकर भगवान पर चढाया जाना उचित नहीं है। भगवान आशुतोष के साथ शिव परिवार, नंदी व भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में लाभकारी है। शिव की पूजा से पहले नंदी की पूजा की जानी चाहिए। सावन के महीने में सोमवार का विशेष महत्व होता है। इसे भगवान शिव का दिन माना जाता है। इसलिए सोमवार के दिन शिव भक्त शिवालयों में जाकर शिव की विशेष पूजा अर्चना करते हैं। इस वर्ष सावन के महीने में चार सोमवार है। इन चारों सोमवार का अपना विशेष महत्व है।

सावन का पहला सोमवार शुभ योग लेकर आया है। इस दिन धृति योग बन रहा है। माना जाता है कि इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से बाधाओं से मुक्ति मिलती है और योजनाओं को पूरा करने में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। धृति योग के विषय में माना जाता है कि इस योग में जन्म लेने वाले बच्चे धैर्यवान और ज्ञानी होते हैं। इस योग में अगर कोई काम शुरू करेंगे तो कार्य लंबे समय तक चलता रहेगा। इसलिए नया व्यवसाय और लंबी अवधि की योजनाओं को शुरू करने के लिए सावन का पहला सोमवार उत्तम है।

सावन का दूसरा सोमवार भी व्रज योग लेकर आ रहा है। इस दिन व्रज नामक योग बन रहा है। इस दोनों योगों के कारण सावन का दूसरा सोमवार विशेष फलदायक बन गया है। इस दिन भगवान शिव की पूजा से बल एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस सोमवार के दिन भगवान शिव को भांग, धतूरा एवं शहद अर्पित करना उत्तम फलदायी रहेगा।

सावन का तीसरा सोमवार साध्य योग लेकर आ रहा है। इस योग को साधना और भक्ति के लिए उत्तम माना गया है। शिव भक्त इस दिन भगवान शिव के मंत्रों का जप करके मंत्र सिद्धि प्राप्त कर सकते हैं। माना जाता है कि साध्य योग में भगवान शिव की पूजा करने से कठिन कार्य भी आसानी से बन जाता है।

सर्वोत्तम है सावन का चौथा सोमवार

सावन का चौथा सोमवार का महत्व और भी बढ गया है। इस दिन आयुष्मान योग एवं सौभाग्य योग भी बन रहा है। इस शुभ योग में भगवान शिव की पूजा करने से दांपत्य जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग बढता है। आर्थिक परेशानियों में कमी आती है तथा जीवन पर आने वाले संकट से भगवान शिव रक्षा करते हैं।

शास्त्रों के अनुसार सावन के महीने में प्रदोष व्रत के दिन खासतौर पर सोमवार भी हो तो शिव की पूजा करने से अन्य दिनों की अपेक्षा कई गुणा पुण्य प्राप्त होता है। इस दिन भक्ति पूर्वक शिव की पूजा करने से शत्रुओं पर विजय मिलती है। कार्य क्षेत्र एवं जीवन के दूसरे क्षेत्रों में आने वाली बाधाओं का निवारण होता है। जीवन पर आने वाले संकट टल जाते हैं।

शिवलिंग पर बिल्व पत्र चढाने से पहले ज़्या करें

भगवान शिव पर अर्पित करने हेतु बिल्व पत्र तोडने से पहले निम्न मंत्र का उच्चारण करने के उपरांत बिल्व वृक्ष को प्रमाण करना चाहिए, उसके बाद बिल्व पत्र तोडने चाहिए। बिल्व पत्र तोडने का मंत्र- अमृतोद्धव श्रीवृक्ष महादेवप्रिय: सदा।

गृहामि तव पत्राणि शिपूजार्थमादरात। चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथियों को, संक्रांति के समय और सोमवार को बिल्व पत्र कभी नहीं तोडने चाहिए, किंतु बिल्व पत्र शंकर जी को बहुत प्रिय हैं। अत: निषिद्ध समय से पहले दिन का रखा बिल्व पत्र ही चढाना चाहिए। बिल्व पत्र, धतूरा और पत्ते जैसे उगते हैं, वैसे ही इन्हें भगवान पर चढाना चाहिए। उत्पन्न होते समय इनका मुख ऊपर की ओर होता है, अत: चढाते समय इनका मुख ऊपर की ओर ही रखना चाहिए।

दूर्वा एवं तुलसी दल को अपनी ओर और बिल्व पत्र नीचे मुख पर चढाना चाहिए। दाहिने हाथ की हथेली को सीधी करके मध्यमा, अनामिका और अंगूठे की सहायता से फूल एवं बिल्व पत्र चढाने चाहिए। भगवान शिव पर चढे हुए पुष्पों एवं बिल्व पत्रों को अंगूठे और तर्जनी की सहायता से उतारें।

शिवलिंग का पूजन करने से मनुष्य संतान, धन, विद्या, ज्ञान, व मोक्ष की प्राप्ति करता है

शिवलिंग के बारे में कहा जाता है कि जिस स्थान पर शिवलिंग का पूजन होता है,वह तीर्थ नहीं होते हुआ भी तीर्थ बन जाता है।

महाभारत में उल्लेख मिलता है कि 'जब पाण्डव वनवास में थे, तब दुर्योधन पाण्डवों को कष्ट देता था। कभी वह दुर्वासा ऋषि को भेजकर तो कभी मूक नामक राक्षस को भेजकर तब पाण्डवों ने श्री कृष्ण से दुर्योधन के दुर्व्यवहार के लिए कहा और उससे राहत पाने का उपाय पूछा।'तब श्री कृष्ण ने उन सभी को भगवान की पूजा के लिए सलाह दी और कहा 'मैंने सभी मनोरथों को प्राप्त करने के लिए प्रभू शिव की पूजा की है और आज भी कर रहा हूं। तुम लोग भी करो। वेदव्यासजी ने भी पाण्डवों को भगवान् शिव की पूजा का उपदेश दिया है।

शिवमहापुराण में वर्णित है कि शिव-पूजा से प्राप्त होने वाले सुखों का वर्णन निम्न प्रकार से है दरिद्रता, रोग सम्बन्धी कष्ट, शत्रु द्वारा होने वाली पीडा एवं चारों प्रकार का पाप तभी तक कष्ट देता है, जब तक शिव की पूजा नहीं की जाती। महादेव का पूजन कर लेने पर सभी प्रकार का दु:ख नष्ट हो जाता है, सभी प्रकार के सुख प्राप्त हो जाते है और अन्त में मुक्ति लाभ होता है। जो मनुष्य जीवन पाकर उसके मुख्य सुख संतान को प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें सब सुखों को देने वाले महादेव की पूजा करनी चाहिए। ब्राहमण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र विद्यिवत शिवजी का पूजन करें। इससे सभी मनोकामनाएं सिद्ध्ध हो जाती है। कहते हैं जो लोग किसी तीर्थ में मिट्टी के शिवलिंग बनाकर उनका विधि पूजन करते हैं वे शिव स्वरूप हो जाते हैं। जो मनुष्य तीर्थ में मिटटी,भस्म ,गोबर अथवा बालू का शिवलिंग बनाकर एक बार भी उसका विधि पूजन करता है। वह दस हजार कल्प तक स्वर्ग में निवास करता है। शिवलिंग का विधि पूर्वक पूजन करने से मनुष्य संतान,धन,धन्य,विद्या,ज्ञान, सद्बुधी, दीर्घायु, और मोक्ष की प्राप्ति करता है।

शिवलिंग के बारे में कहा जाता है कि जिस स्थान पर शिवलिंग का पूजन होता है,वह तीर्थ नहीं होते हुआ भी तीर्थ बन जाता है। जिस स्थान पर शिवलिंग का पूजन होता है,उस स्थान पर जिस मनुष्य की मृत्यु होती है। वह शिवलोक को प्रप्त करता है।

सावन मे किये गए इन उपायों से शिव अति प्रसन्न होते हैं, पर ये बिल्कुल ना करें

सावन शिव का मास है सावन में किये गए इन उपायों से शिव अति प्रसन्न होते हैं । व्यक्ति की कुंडली के सभी ग्रह दोष दूर हो जाते हैं। उसका बुरे से बुरा समय भी टल जाता है।

सावन शिव का मास है सावन में किये गए इन उपायों से शिव अति प्रसन्न होते हैं । महालक्ष्मी की कृपा पाने, धन समृद्धि प्राप्त करने के लिए एक बहुत प्राचीन उपाय बताया गया है, वह है रोज रात में शिवलिंग के पास दीपक लगाना। रात के समय जब घोर अंधेरा रहता है, तब शिवलिंग के निकट दीपक का प्रकाश करने से महादेव अतिप्रसन्न होते हैं। मान्यता है कि जो भी व्यक्ति रोज रात में किसी सिद्ध शिव मंदिर जाकर वहां शिवलिंग के पास दीपक जलाता है, उसे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है और उसके जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं रहती है। इस उपाय को नियम से करने पर व्यक्ति की कुंडली के सभी ग्रह दोष दूर हो जाते हैं। उसका बुरे से बुरा समय भी टल जाता है।

इस उपाय के संबंध में शास्त्रों में एक कथा बताई गई है।

शास्त्रों के अनुसार प्राचीन काल में देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव अपने पिछले जन्म में चोर थे। वे एक रात भगवान शिव के मंदिर में चोरी करने पहुंच गए। रात की वजह से वहां काफी अंधेरा था। अंधेरे में उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। तब उन्होंने चोरी करने के लिए एक दीपक जलाया। दीपक के प्रकाश में वह मंदिर का सामान की चोरी कर ही रहे थे कि हवा से दीपक बुझ गया। उन्होंने पुन: दीपक जलाया लेकिन वह फिर हवा से बुझ गया, यह प्रक्रिया कई बार हुई। रात के समय बार-बार दीपक जलाने से भगवान शंकर उनसे अति प्रसन्न हो गए। कुबेर देव ने चोरी करते समय बार-बार दीपक जलाकर अनजाने में ही जो शिवजी की पूजा की थी, इसके फलस्वरूप भगवान भोलेनाथ ने उन्हें अगले जन्म में देवताओं का कोषाध्यक्ष बना दिया। इसीलिए शास्त्रों के अनुसार जो भी व्यक्ति रात के समय शिव मंदिर में शिवलिंग के निकट प्रकाश करता है, उसे प्रभु शंकर की विशेष कृपा प्राप्त हो जाती है। इसलिए सभी मनुष्यों को जीवन में सभी तरह के संकटों के निवारण के लिए शिवलिंग के निकट रात्रि में शुद घी का दीपक जलाना चाहिए। सावन भर सभी शिव भक्तों को भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए बेलपत्र और शमी पत्र अवश्य ही चढाने चाहिए । इस संबंध में एक पौराणिक कथा है एक बार 88 हजार ऋषियों ने परम पिता ब्रहमा से भगवान महादेव को प्रसन्न करने की विधि पूछी तब प्रसन्न होकर ब्रहमाजी ने बताया कि भगवान शिव सौ कमल चढाने से जितने प्रसन्न होते हैं, उतना ही एक नीलकमल चढाने पर प्रसन्न होते हैं। इसी तरह एक हजार नीलकमल के बराबर एक बेलपत्र से और एक हजार बेलपत्र चढाने के फल के बराबर एक शमी पत्र से प्रसन्न होते है।

भगवान शिव को कभी भी हल्दी नहीं चढाई जाती है और उन्हें शंख से जल भी नहीं चढाना चाहिए। हिन्दु धर्म शास्त्रों के अनुसार ये दोनों काम शिव पूजा में वर्जित बताये गए हैं। वैसे धार्मिक कार्यों में हल्दी का बहुत महत्व है। लेकिन हल्दी, शिवजी के अतिरिक्त अन्य सभी देवी-देवताओं को चढाई जाती है। चूँकि हल्दी सौंदर्य प्रसाधन में उपयोग की जाती है और शिवलिंग पुरुषत्व का प्रतीक है, इसी कारण से भगवान भोलेनाथ को हल्दी नहीं चढाई जाती है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए उन्हें सफेद वस्त्र अर्पित करने चाहिए ।

सावन माह में दूध, घी, दही और गाय के दान से भगवान शंकर शीघ्र ही प्रसन्न होते है । इसलिए अपने जीवन में सर्वत्र सफलता के लिए इन चीजो का दान अनिवार्य रूप से करना चाहिए ।

भगवान शिव सफेद रंग के फूलों से विशेषकर सफेद कमल से जल्दी प्रसन्न होते हैं। भगवान शंकर को धतूरे के पुष्प, हरसिंगार, व नागकेसर के सफेद पुष्प, सूखे कमल गट्टे, कनेर, कुसुम, आक, कुश आदि के पुष्प चढाने का विधान है। भगवान शंकर को धतूरे का फूल सबसे अधिक प्रिय है। इसके अलावा इनको बेलपत्र और शमी पत्र चढाना बहुत ही शुभ माना जाता है।

लेकिन भगवान शिव जी को सेमल, कदम्ब, अनार, शिरीष , माधवी, केवडा, मालती, जूही और कपास के पुष्प नहीं चढाये जाते है ।

सावन शिव का मास है सावन में किये गए इन उपायों से शिव अति प्रसन्न होते हैं । महालक्ष्मी की कृपा पाने, धन समृद्धि प्राप्त करने के लिए एक बहुत प्राचीन उपाय बताया गया है, वह है रोज रात में शिवलिंग के पास दीपक लगाना।

सावन के महीना में सोमवार और शुक्रवार की बहुत महत्ता है इस दिन लक्ष्मीजी की पूजा करने से देवी लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। सावन का महीना मूल रूप से शिव और शक्ति के युग्म का महीना है अर्थात पौरुष और प्रकृति का मिलन। ये माह शक्ति और शिव साधना हेतु सर्वोत्तम माना गया है। शक्ति के अनेक रूपों में जगत माता महालक्ष्मी का सर्वोच्च स्थान है।

इस तरह सावन में पडने वाले शुक्रवार को किये गए इन उपायों से धन की कमी नहीं होती

धर्म शास्त्रों के अनुसार सावन के शुक्रवार विशेष फलदाई होती है क्योंकि यह तिथि माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन विधि-विधान पूर्वक पूजा करने से सभी सुखों की प्राप्ति होती है।

सावन के महीना में सोमवार और शुक्रवार की बहुत महत्ता है इस दिन लक्ष्मीजी की पूजा करने से देवी लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।

सावन का महीना मूल रूप से शिव और शक्ति के युग्म का महीना है अर्थात पौरुष और प्रकृति का मिलन।

ये माह शक्ति और शिव साधना हेतु सर्वोत्तम माना गया है। शक्ति के अनेक रूपों में जगत माता महालक्ष्मी का सर्वोच्च स्थान है।

लक्ष्मी के आठ स्वरूपों में से धन लक्ष्मी का स्थान हर व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है। सावन के शुक्रवार को इन सरल उपायों से आपके संचित धन में वृद्धि होगी।

लक्ष्मी की कृपा व धन प्राप्त करने हेतु बडी-बडी तांत्रिक साधनाएं प्राचीनकाल से ही संपूर्ण विश्व में प्रचलित रही हैं। धर्म में लक्ष्मी पूजन के साथ ही कई प्रकार के यन्त्रों व मंत्रों की साधना प्राचीनकाल से होती रही है।

श्रावण मास के शुक्रवार पर धन लक्ष्मी के पूजन का बडा महत्व है। लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने हेतु श्रावण मास में भक्तगण अनेकों प्रकार से पूजन करते हैं।

देवी लक्ष्मी किए गए विधिवत पूजन से जल्दी प्रसन्न होती हैं व प्रसन्न होकर भक्तों की इच्छा पूर्ण करती हैं। श्रावण मास के समस्त शुक्रवार व्रत करने से पूरे साल भर घर परिवार धन धान्य से भरा रहता है।

इस दिन प्रसाद के रूप में जल, दूध, दही, शहद, घी, चीनी, जनेऊ, चंदन, बिल्वगिरि, कमलगट्टा, धूप, दीप और दक्षिणा के साथ लक्ष्मी जी का पूजन किया जाता है। रात्रिकाल में घी व कपूर सहित धूप की आरती करके लक्ष्मी का गुणगान किया जाता है। सदगृहस्थ नौकरी पेशा या व्यापारी को श्रावण शुक्रवार व्रत करने से धन धान्य और लक्ष्मी की वृद्धि होती है।

ऐसे करें सावन शुक्रवार पूजा

ॐ महालक्ष्म्यै च विझहे विष्णुपत्न्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात।

शुक्रवार के दिन संध्या के समय सफेद कपडें पहनें, किसी शिवालय में जाकर अथवा घर में रखे पारद शिवलिंग का पूजन करें।

शुद्ध घी का दीपक जलाएं, गुलाबी फूल अर्पित करें। गुलाब की अगरबत्ती जलाएं। सफेद चंदन अर्पित करें। इत्र अर्पित करें। शक्करपारे चढाएं। इसके पश्चात सफेद चंदन अथवा कमलगट्टे की माला से उत्तर दिशा की ओर मुख करके 108 बार इस मंत्र का जाप करें। इस सरल उपाय से आपका धन निश्चित रूप से संचित होगा। इस साधना से घर-परिवार में सुख-समृद्धि रहती है। सावन में यदि रोज भगवान शिव की पूजा धर्म शास्त्रों के अनुसार बताए गए विधि-विधान से की जाए तो भक्त के सभी संकट दूर हो जाते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

धर्म शास्त्रों के अनुसार सावन के शुक्रवार विशेष फलदाई होती है क्योंकि यह तिथि माता पार्वती को समर्पित है।

इस दिन भगवान शंकर तथा माता पार्वती के मंदिर में जाकर उन्हें भोग लगाने तथा विधि-विधान पूर्वक पूजा करने से सभी सुखों की प्राप्ति होती है। 7 दिन तक लाल वस्त्र दान करने से भगवान शिव व पार्वती प्रसन्न होते हैं।

नागपंचमी के दिन ऐसे करें पूजा, इन बातों का रखें ध्यान

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार पृथ्वी को नागदेवता अपने सिर पर रखे हुए हैं। नाग देवता की पूजा का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। नाग देवता की पूजा करने से कई प्रकार के कुंडली में होने वाले दोषों से बचा जा सकता है। इसके लिए नागदेवता की पूरी विधि विधान से पूजा करनी चाहिए।

नागपंचमी के दिन ऐसे करें पूजा

इस दिन नागदेव के दर्शन अवश्य करना चाहिए। नाग देवता की बांबी (नागदेव का निवास स्थान) की पूजा करना चाहिए। नागदेवता पर दूध चढा सकते हैं। उन्हें सुगंधित पुष्प व चंदन से ही पूजा करनी चाहिए। नाग पूजन के लिए सेंवई-चावल आदि ताजा भोजन बनाएं। कुछ भागों में नागपंचमी से एक दिन पहले ही भोजन बना कर रख लिया जाता है और नागपंचमी के दिन बासी (ठंडा) खाना खाया जाता है। नागदेवता की दही, दूर्वा,कुशा, गंध, अक्षत, पुष्प, जल, कच्चा दूध, रोली और चावल आदि से पूजन कर सेंवई व मिष्ठान से उनका भोग लगाते हैं। इसके बाद आरती करके कथा का सुनना चाहिए।

बैठे-बैठे पैर हिलाइए और रहिए बीमारीमुक्त

अक्सर जब आप बैठे-बैठ पैर हिलाने लगते हैं तो आपके बड़े आपको टोक देते हैं। ऐसा हर किसी के साथ होता है। बच्चों के बैठे-बैठे पैर हिलाने से बुजुर्गों का डांटना लाजिमी है। इसके पीछे भारतीय मान्यता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार बैठे-बैठे पैर हिलाने को अशुभ माना जाता है। पैर हिलाने को पिताजी की मृत्यु और कर्ज के संकट के तौर पर देखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि कोई इंसान यदि पूजन कर्म या अन्य किसी तरह के धार्मिक कार्य में बैठने के दौरान पैर हिलाता है तो उसे पूजन कर्म का पूरा पुण्य नहीं मिल पाता। या फिर माना जाता है कि पैर हिलाने से धन की देवी महालक्ष्मी क्रोधित हो जाती है और धन का नाश होता है। इन अशुभ परिणामों को देखते हुए अक्सर परिवार के वृद्धजन पैर हिलाने से बच्चों को मना करते हैं। धार्मिक तौर पर पैर हिलाने के इतनी सारी हानियों को देखते हुए शायद ही कोई पैर हिलाता आपको नजर आए।

लेकिन वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो पैर हिलाने से कई तरह की बीमारियां हमसे दूर रहती हैं और शरीर बीमारीमुक्त रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि अगर आप बैठे-बैठे पैर हिलाते हैं तो ये आपके दिल की सेहत के लिए बड़ा शुभ होता है।

भले ही पैर हिलाना व्यायाम का विकल्प नहीं है लेकिन समय की कमी के कारण जो व्यायाम नहीं कर पाते उनके लिए बैठे-बैठे पैर हिलाना व्यायाम से कम भी नहीं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए बेहतर होगा कि आप काम करते करते पैरों को हिलाते डुलाते रहें। वैसे भी आपको मालुम ही है कि कुछ नहीं करने से बेहतर है कुछ तो करना।

रक्तचाप की परेशानी होती है ठीक

घंटों तक एक जगह बैठे रहने के दौरान पैर हिलाने से रक्तचाप की परेशानी ठीक होती है। एक जगह में घंटो तक बैठ कर काम करने से शरीर में रक्त प्रवाह धीमा होने लगता है जिससे ब्लड प्रेशर यानि रक्तचाप से जुड़ी बीमारियां शरीर में पनपने लगती हैं। जिससे दिल की बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप काम करना और ऑफिस जाना तो नहीं छोड़ सकते हैं। तो बेहतर होगा कि बैठे-बैठे पार हिलाइए और अपनी सेहत को इन खतरों से बचा कर रखिए।

शोध में हुआ साबित

हाल ही में कुछ महिलाओं और पुरुषों में एक शोध किया गया है जिसमें लोगों को तकरीबन कुछ घंटो तक एक ही स्थान पर बैठेकर काम करने को कहा गया। साथ में बीच-बीच में हर चार मिनट के बाद अपने पैरों को एक-एक मिनट के लिए इधर से उधर घुमाने और हिलाने के निर्देश दिए गए। शोधकर्ताओं ने इन लोगों के बैठने से पहले, बाद में तथा बैठे रहने के दौरान रक्त प्रवाह को नोट किया। परिणाम में पाया गया कि ऐसा करने से लोगों का बल्ड सर्कुलेशन धीमा होने के स्थान पर बढ़ गया जो धमनियों के लिए फायदेमंद है।

कई बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

इस शोध के पूरे होने के बाद ये निष्कर्ष निकाला गया कि बैठ कर काम करने के दौरान पैरों को बीच में हिलाते रहने से आर्टिलरी डिज़ीज से हमारे दिल को सुरक्षित रखता है। साथ ही ब्लड प्रेशर सहित फैट के बढ़ने, डिप्रेशन और आंखों की बीमारियों से भी रक्षा करता है।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

ब्रेड खाने से अब नहीं बढ़ेगा मोटापा

शोधकर्ताओं ने एक ऐसा ब्रेड बनाया है जिसे खाने के लिए अपने स्वाद से कोई समझौता नहीं करना होगा। इस ब्रेड में आम ब्रेड के मुकाबले सात गुना ज्यादा प्रोटीन है। साथ ही हर टुकड़ें में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा तीन ग्राम कम है जिसे खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। प्रोटीन ब्रेड के हर टुकड़े में 15 गाम गेहूं और मटर का प्रोटीन शामिल है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी है जो पेट भरा होने का अहसास देता है।

HEALTH

अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडेंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं ।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

ड्राई सॉकेट के लिए प्रभावी घरेलू नुस्खे

ड्राई सॉकेट एक प्रकार की दांतों की समस्या है जो बहुत ही दर्दनाक होती है, इस समस्या से बचाव के लिए आज आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे बताते है जो काफी कारगर साबित हुए हैं। दांतों की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो इनमें कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। अगर किसी कारणवश आपका कोई दांत निकल गया है और उसकी जगह आपने सॉकेट लगवाया है तो उसमें भी समस्या हो सकती है। सॉकेट में समस्या तब होने लगती है जब सॉकेट के नीचे खून के धब्बे बनने लगते हैं। इसके कारण वाहिकाओं और हड्डी में भी समस्या होने लगती है।

ड्राई सॉकेट को एल्वेलर ऑस्टीटिस नाम से भी जाना जाता है। इसके कारण संक्रमण भी हो सकता है। दांत निकालने के बाद भी अगर 3-4 दिन तक दर्द हो तो यह ड्राई सॉकेट की समस्या हो सकती है। इसके अलावा गर्दन, कान, आंख में दर्द भी इसका लक्षण है। खाने में समस्या भी हो सकती है और मुंह स्वादहीन हो जाएगा यानी किसी खाने में कोई स्वाद नहीं मिलेगा। हल्का बुखार, मुंह में सूजन, सांसों में बदबू, आदि इस समस्या के लक्षण हो सकते हैं।

बर्फ का प्रयोग

अगर ड्राई सॉकेट के कारण मुंह और जबड़ों में अधिक सूजन हो गई हो तो बर्फ से सिंकाई कीजिए। बर्फ का पैक प्रभावित हिस्से पर रखने से सूजन कम होती है और दर्द से आराम भी मिलता है।

लौंग का तेल

दांतों के लिए लौंग को बहुत ही प्रभावी माना जाता है। ड्राई सॉकेट की समस्या होने पर लौंग के तेल को लगाने से फायदा होता है। इसके आप दांतों पर सीधे कॉटन के प्रयोग से लगा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी में रूई को डुबोएं फिर पानी निचोड़कर इसे लौंग के तेल में भिगोकर दांतों में लगाएं। इसे आसपास वाले दांतों पर भी लगाएं। इसे दिन में दो या तीन बार प्रयोग करें।

नमक पानी

किसी भी प्रकार के दर्द या सूजन खासकर मुंह की समस्याओं के लिए नमक पानी को बहुत ही कारगर माना जाता है। ड्राई सॉकेट होने पर भी नमक पानी का प्रयोग करें। पानी को हल्का गरम करके उसमें नमक डाल लीजिए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए, जल्द आराम मिलेगा।

योगर्ट: योगर्ट खाने से शरीर को दूसरे पौष्टिक तो मिलते हैं साथ ही यह ड्राई सॉकेट की समस्या का भी अच्छा उपचार है। यह एक प्रकार का नैचुरल एंटीबॉयटिक है, जिससे इस समस्या में आराम मिलता है।

टी बैग: टी बैग का प्रयोग केवल चाय पीने के लिए नहीं होता है, इसे सौंदर्य के साथ-साथ दांतों की समस्याओं को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। ड्राई सॉकेट की समस्या में ठंडे टी बैग को प्रभावित हिस्से पर रखें। थोड़ी देर इसे प्रभावित हिस्से पर रखने से दर्द दूर हो जायेगा। यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपचार है।

हल्दी है फायदेमंद: हल्दी बहुत ही गुणकारी औषधि है। ड्राई सॉकेट होने पर हल्दी का पाउडर प्रयोग करें। अगर अधिक दर्द हो रहा हो तो पानी को हल्का गरम करके उसमें हल्दी पाउडर डालें। फिर इस पानी से कुल्ला करें, दर्द दूर हो जाएगा और संक्रमण भी नहीं होगा।

नींबू और नमक: नींबू और नमक दोनों ड्राई सॉकेट के लिए एंटीसेप्टिक की तरह काम करते हैं। इसके प्रयोग से दर्द और संक्रमण दोनों दूर हो जाता है। नींबू विटामिन सी का अच्छा स्रोत है जिससे बहुत जल्दी आराम मिलता है। नींबू के रस में थोड़ा नमक डालकर इसे सीधे दांतों पर लगाएं। इससे जल्द आराम मिलेगा।

केवल चलने से कम हो सकती हैं दिल की बीमारी

अब हाल ही में हुए अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है कि शारीरिक क्रियाएं जैसे की चलना और साइक्लिंग से 50% दिल की बीमारियां कम हो जाती हैं। खासकर 65 वर्ष से ऊपर वाले इंसान के लिए चलना वरदान साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार 65 वर्ष की उम्र के लोगों के समूह में दिल की बीमारी से होने वाली मौतें केवल चलने से 50त तक कम हो सकती हैं। स्टडी के अनुसार 65 वर्ष की उम्र वाले जो लोग फीजिकली एक्टिव रहते हैं ।

सप्ताह में चार घंटे चलें

यह अध्ययन में 65 से 74 उम्र की 2,456 पुरुष और महिलाओं में किया गया है। इसमें फीजिकल एक्टिविटी और दिल की बीमारी से जुड़े खतरों के बीच में संबंध देखा गया है। अध्ययनकर्ताओं ने देखा की जो लोग हफ्ते में रोजाना कुछ देर तक शारीरिक काम जैसे चलना या साइक्लिंग करते हैं उनमें दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हुआ है।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पलती लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

रेसिपी

कश्मीरी रोटी

सामग्री

1 1/2 कप गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून सौंफ, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून अजवायन, 8 - 10 काली मिर्च, 1/2 कप लो फॅट दूध , 99.7% वसा मुक्त, नमक स्वादअनुसार, गेहूं का आटा , बेलने के लिए, 1 1/2 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, सौंफ, जीरा, अजवायन और कालीमिर्च डालकर, हल्का भून लें। हल्का ठंडा कर, खल-बत्ते में पीसकर दरदरा पाउडर बना लें। गेहूं के आटे, तैयार पाउडर, हींग, दूध और नमक को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। अच्छी तरह गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मलेशियन नूडल्स

सामग्री

2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून क्रश किया हुआ लहसुन, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड हरी प्याज़, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप तिरछे कटे हुए गाजर, 1 कप बीन स्प्राउट्स, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर,1 टी-स्पून सोया सॉस, 2 टेबल-स्पून भूनी और क्रश की हुई मूंगफली, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप पनीर या टोफू के टुकड़े, 2 कप उबाले हुए फ्लॅट नूडल्स, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून भुनी और क्रश की हुई मूंगफली, 1 टेबल-स्पून कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते,

विधि

एक वॉक या गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेज़ आंच पर तेल गरम करें, लहसुन और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भून लें। शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भून लें। गाजर डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। बीन स्प्राउट्स डालकर मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक भूनें। नींबू का रस, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर, सोया सॉस और मूंगफली डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। नमक और पनीर डालकर हल्के हाथों मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। नूडल्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। मूंगफली और हरी प्याज़ के पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिछड़ रहे हैं दोस्त हमारे

पिछले चार सौ साल में कई प्राणी हमेशा के लिए खो गए हैं। वे अब चित्रों में ही बाकी रह गए हैं।

बैजी रिवर डॉल्फिन

कहां मिलती थी - चीन

चायनीज रिवर डॉल्फिन या वाइटफिन डॉल्फिन हालिया विलुप्त प्राणियों में सबसे ऊपर है। यह 2006 में विलुप्त घोषित की गई। आखिरी बैजी की मृत्यु 2002 में हुई।

कैस्पियन टाइगर

कहां मिलते थे - तुर्की, ईरान और मध्य एशिया

यह साइबेरियाई और बंगाल टाइगर्स से आकार में छोटा होता था, पर रूस के साइबेरियाई या एमुर टाइगर्स से कुछ-कुछ मिलता था। 1970 आते- आते तक धरती पर एक भी कैस्पियन टाइगर नहीं बचा।

जांजीबार तेंदुआ

कहां मिलता था-तंजानिया के जांजीबार द्वीप

ये 1996 में विलुप्त घोषित कर दिए गए। इनकी विलुप्ति का मुख्य कारण भोजन की कमी और जंगलों का घटता दायरा रही।

डोडो

कहां मिलता था- मॉरिशस

डोडो ऐसा पक्षी था, जो उड़ नहीं पाता था। यह फल खाता था। इस पक्षी का मांस खाने में स्वादिष्ट नहीं होता था, इसलिए इसका शिकार नहीं किया जाता था। तब यूरोपियन्स ने सुअरों को पालना शुरू किया था। ये सुअर, डोडो के हिस्से का भोजन खा जाते थे। पर्याप्त भोजन न मिलने पर संख्या घटने लगी और आखिरकार 1681 में डोडो विलुप्त हो गए।

स्टेलर समुद्री गाय

कहां मिलती थी- प्रशांत महासागर

यह शाकाहारी स्तनधारी जीव थी। इसकी लम्बाई करीब तीस फुट थी और बाकी शरीर की तुलना में सिर काफी छोटा था। इसका शिकार करना काफी आसान था और इसी वजह से ही यह प्राणी विलुप्त भी हुआ। इसे 1768 में विलुप्त घोषित कर दिया गया।

एलिफैंट बर्ड यानी हाथी पक्षी

कहां मिलता थामेडागास्कर

इस पक्षी का वजन 500 किलोग्राम होता और लम्बाई दस फीट। बहुत ज्यादा शिकार और आवास के विनाश की वजह से यह प्रजाति भी सत्रहवीं शताब्दी आते-आते पूरी तरह खत्म हो गई। इसके अंडे का वजन लगभग नौ किलो होता था।

कितने दिलचस्प थे न ये सभी प्राणी। पर अफसोस है कि हम इन्हें कभी देख नहीं पाएंगे। इनमें से कई ऐसे प्राणी हैं, जिन्हें हमारे दादा-पापा की उम्र के लोगों ने देखा होगा, पर हम नहीं देख पाएंगे।

आवास और आहार की कमी ही इनके विलुप्त होने की मुख्य वजह रही। इसके अलावा इनका ज्यादा शिकार भी एक अहम वजह रहा।

दुख की बात है कि प्राणियों के विलुप्त होने का सिलसिला अब भी जारी है। बहुत सारे जीव-जन्तु अब इक्का-दुक्का ही बचे हैं। आइए, जानते हैं कि इन्हें बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं।

आपकी जिम्मेदारी

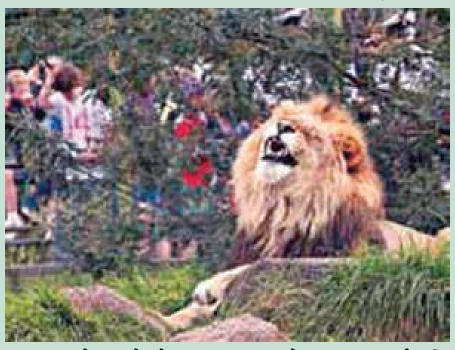

सबसे पहले तो जन्तु-जगत को सद्भाव पूर्ण दृष्टि से देखने की आवश्कता है। कई बार आपमें से कई दोस्त जानवरों से खेलने के बजाय उन्हें तकलीफ पहुंचाते हैं। पिंजरे मे कैद जानवर को लकड़ी से कोंचने या फिर उसे पत्थर मारने जैसी हरकत न करें, क्योंकि कोई आपके साथ ऐसा करें तो अच्छा नहीं लगेगा न आपको।

अपने घर के आस-पास मिलने वाले प्राणियां के बारे में जानकारी जुटाएं। इस स्थान पर इनकी क्या स्थिति है। कहीं वे संकटग्रस्त तो नहीं हैं। यदि वे संकट ग्रस्त प्राणियों में आते हैं, तो फिर उन्हें बचाने के लिए कोशिश कीजिए। किसी ग़ैर सरकारी संस्थान से संपर्क कीजिए। कुछ पैसे जुटाइए या फिर आप खुद भी एक छोटी कैंपेनिंग कर सकते हैं। इससे लोगों को जागरूक करने की कोशिश कीजिए। जो जीव आपके आसपास पाए जाते हैं, उनका जीव-चक्र में क्या योगदान है, पर्यावरण के लिए वे कितने महत्वपूर्ण हैं, इसके बारे में भी जानकारी जुटाएं।

मिलेगा संतोष

यह सब करने से आपको संतोष मिलेगा। ऐसा महसूस होगा कि आप कुछ जिम्मेदार हो गए हैं। आपकी इस पहल से हो सकता है कि और भी लोग आगे आएं। लोगों के आगे आने से कुछ ऐसी संकटग्रस्त प्रजातियां जिनका अस्तित्व खतरे में हो, उनका संरक्षण किया जा सकेगा।

अंतर ढूंढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। खोज निकालिए वे अंतर...

बूझो तो जानें

1. हैरी पॉटर सीरीज की अंतिम फिल्म का नाम बताइए।
2. रफेल नडाल की नंबर वन टेनिस प्लेयर के रूप में बादशाहत किसने खत्म की?
3. राइट टू सर्विस एक्ट लागू करने वाला पहला भारतीय राज्य कौन-सा है?
4. समोआ देश किस महाद्वीप पर स्थित है?
5. फीफा के अध्यक्ष का नाम क्या है?
6. हिना रब्बानी किस देश की पहली महिला विदेश मंत्री है?
7. टोक्यो से पहले जापान की राजधानी क्या थी?
8. राष्ट्रीय पर्यटन दिवस कब मनाया जाता है?
9. हुमायूं की पत्नी का नाम क्या था?
10. पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन कहां हुआ था?
11. हांगकांग कितने द्वीपों पर बसा है?
12. 'वी अंडरस्टैंड योर वर्ल्ड' किस बैंक की पंच लाइन है?
13. केंद्रीय एगमार्क प्रयोगशाला कहां है?
14. भारतीय सेना के कितने अधिकारियों को मार्शल की उपाधि दी गई है?

उत्तर- 1. हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज-2 2. नोवाक जॉकोविच 3.पंजाब 4. ऑस्ट्रेलिया 5. सेप ब्लैटर 6. पाकिस्तान 7.क्यातो 8. 25 जनवर 9. हाजी बेगम 10. नागपुर 11. 260 12. एचडीएफसी 13. नागपुर 14. तीन

खर्च करें या जोड़ें ?

अब्दुल रहीम और वसंतराव एक ही नगर के रहने वाले थे। दोनों बचपन से ही एक स्कूल में पढ़े थे। बड़े होने के बाद वे दोनों एक ही कारखाने में काम करने लगे। दोनों की दोस्ती से दूर-दूर तक के लोग वाकिफ थे। एक-दूसरे के सुख में तो दोनों बेहद खुश होते ही थे, लेकिन एक-दूसरे के दुख में साथ देना भी न भूलते। हर चीज तो एक-सी थी। बस एक बात थी जिसमें दोनों की सोच एकदम अलग थी। अब्दुल रहीम पूरब था, तो वसंतराव पश्चिम। एकदम एक-दूसरे से दूर और उल्टे।

अब्दुल खर्चीला था और वसंत देख-भाल कर चलता था। दोनों को कारखाने से एक ही दिन वेतन मिलता था, पर वेतन के रुपए जेब में डालकर अब्दुल दूसरे ही दिन बाजार जाता और अपने शौक की दो-चार चीजें खरीद लाता। वसंत दूसरे ही दिन याद से बैंक जाता और महीनेभर का खर्चा अलग करके बचत के रुपए अपने हिसाब में जमा कर देता। अब्दुल कपड़े तो बढ़िया पहनता ही था, पर अपना घर भी खूब सजाकर रखता था। वसंत सादा खाता, सादा रहता, सादा पहनता। वसंत जब भी अब्दुल के घर आता, वह उसे नई-नई चीजें दिखाता और कहता? 'वसंत बाबू, घर इसका नाम है कि कोई देखे तो उसे हैरानी और खुशी दोनों हो।'

अब्दुल कभी वसंत के घर जाता, तो वह उसकी सादगी की खूब हंसी उड़ाता। इसी सादगी के लिए उसने अपने दोस्त को एक नया नाम भी दे दिया था 'स्वामीजी'। इससे उलट वसंत बेहद सादगी से जवाब देता, 'ठीक है मेरे दोस्त। मैं स्वामीजी ही भला, तू नवाब बना रह, मैं साधु-सा जीवन जीने में ही खुश हूं। फिर भी दोस्ती के नाते मैं तुझे एक ही राय देना चाहूंगा कि आदमी को अपनी आमदनी में से चार पैसे जमा करने चाहिएं। अगर मरने के बाद भी कफन के लिए पड़ोसियों को पैसे इकट्ठा करने पड़े, तो इस जीवन का क्या अर्थ?'

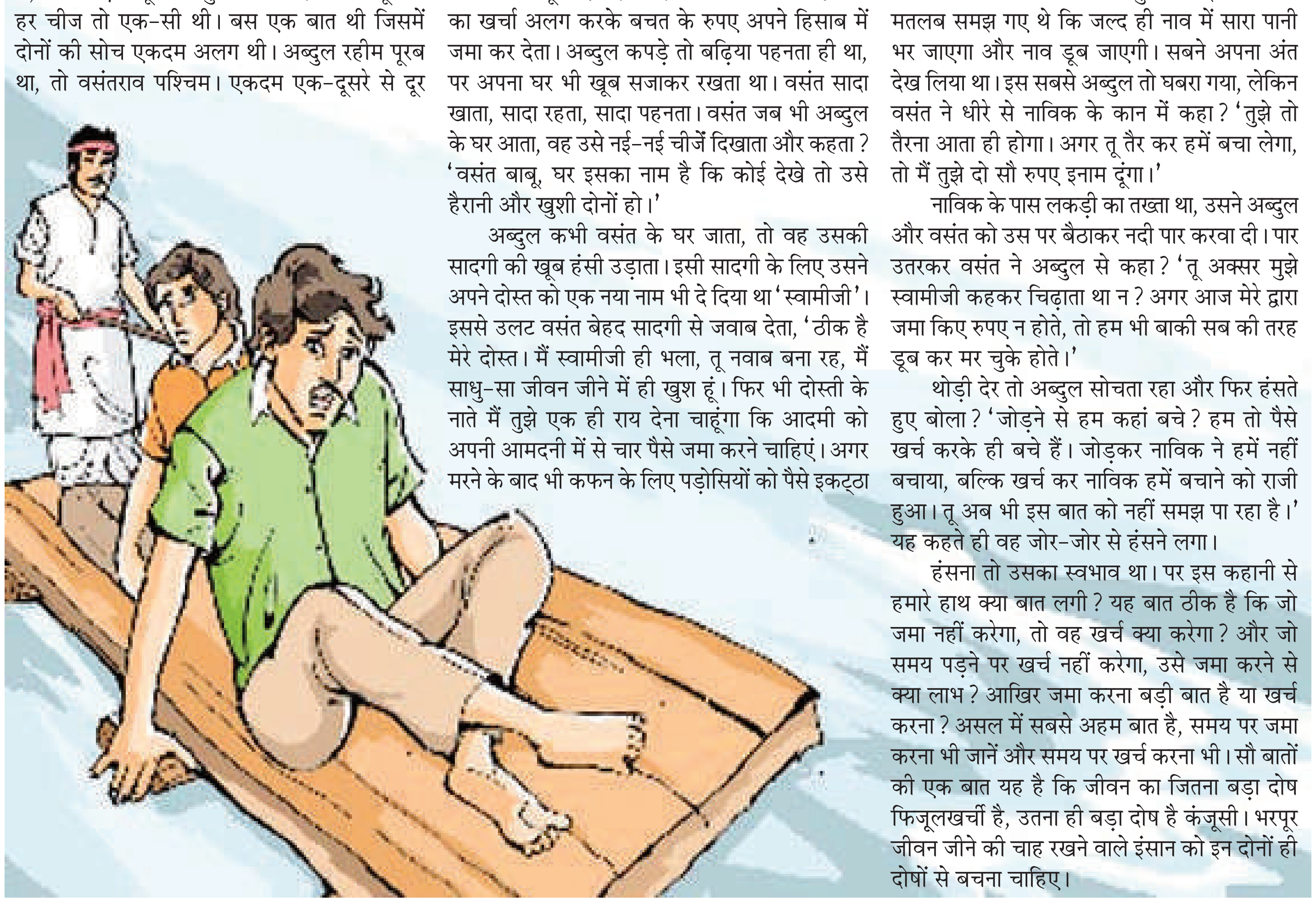

यों ही दोनों की ज़िंदगी के कई साल बीत गए। एक दिन वे नाव में बैठकर कहीं जा रहे थे। नाव में उन दोनों के अलावा और भी कईं मुसाफिर थे। कुछ दूर जाते ही अचानक नाव में छेद हो गया और उस छेद से नाव में पानी भरने लगा। सभी मुसाफिर इस बात का मतलब समझ गए थे कि जल्द ही नाव में सारा पानी भर जाएगा और नाव डूब जाएगी। सबने अपना अंत देख लिया था। इस सबसे अब्दुल तो घबरा गया, लेकिन वसंत ने धीरे से नाविक के कान में कहा? 'तुझे तो तैरना आता ही होगा। अगर तू तैर कर हमें बचा लेगा, तो मैं तुझे दो सौ रुपए इनाम दूंगा।'

नाविक के पास लकड़ी का तख्ता था, उसने अब्दुल और वसंत को उस पर बैठाकर नदी पार करवा दी। पार उतरकर वसंत ने अब्दुल से कहा? 'तू अक्सर मुझे स्वामीजी कहकर चिढ़ाता था न? अगर आज मेरे द्वारा जमा किए रुपए न होते, तो हम भी बाकी सब की तरह डूब कर मर चुके होते।'

थोड़ी देर तो अब्दुल सोचता रहा और फिर हंसते हुए बोला? 'जोड़ने से हम कहां बचे? हम तो पैसे खर्च करके ही बचे हैं। जोड़कर नाविक ने हमें नहीं बचाया, बल्कि खर्च कर नाविक हमें बचाने को राजी हुआ। तू अब भी इस बात को नहीं समझ पा रहा है।' यह कहते ही वह जोर-जोर से हंसने लगा।

हंसना तो उसका स्वभाव था। पर इस कहानी से हमारे हाथ क्या बात लगी? यह बात ठीक है कि जो जमा नहीं करेगा, तो वह खर्च क्या करेगा? और जो समय पड़ने पर खर्च नहीं करेगा, उसे जमा करने से क्या लाभ? आखिर जमा करना बड़ी बात है या खर्च करना? असल में सबसे अहम बात है, समय पर जमा करना भी जानें और समय पर खर्च करना भी। सौ बातों की एक बात यह है कि जीवन का जितना बड़ा दोष फिजूलखर्ची है, उतना ही बड़ा दोष है कंजूसी। भरपूर जीवन जीने की चाह रखने वाले इंसान को इन दोनों ही दोषों से बचना चाहिए।

रंग भरो

श्रीलंका दौरे में क्लीन स्वीप कर इतिहास दोहराना चाहेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य दो मैचों की इस सीरीज को जीतकर इतिहास दोहराना रहेगा। श्रीलंका की धरती पर भारतीय क्रिकेट टीम का टेस्ट रिकार्ड काफी रोमांचक रहा है।

भारत ने अब तक वहां कुल आठ टेस्ट सीरीज खेली हैं, जिनमें से तीन बार सीरीज उसने जीती है जबकि तीन बार मेजबान श्रीलंका की टीम को जीत मिली है। वहीं, दो टेस्ट सीरीज ड्रा रही है। भारतीय टीम ने पिछले तीन श्रीलंकाई दौरों में से 2010 की सीरीज ड्रा रही थी, जबकि 2015 और 2017 में भारत ने मेजबानों को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। साल 2017 के दौरे पर भारतीय टीम ने श्रीलंका के सभी मैच हराये थे। अब ठीक नौ सालों के लंबे इंतजार के बाद भारतीय टीम के पास एक बार फिर क्लीन स्वीप कर इतिहास दोहराने का अवसर है।

इस सीरीज का पहला टेस्ट गाल में खेला जाएगा जबकि दूसरा और निर्णायक टेस्ट मैच 23 अगस्त 2024 से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका की स्पिन को सहायता देने वाली पिच और कठिन हालातों को देखते हुए भारतीय टीम की राह आसन नहीं है। इसी कारण एक ऐसी टीम चयनित की गयी है। जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी दोनो ही शामिल रहें। टीम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को शामिल किया गया है। वहीं विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत और युवा ध्रुव जुरेल को मिली है। श्रीलंकाई पिचों पर स्पिनरों की भूमिका हमेशा बेहद महत्वपूर्ण रही है, जिसे देखते हुए चयनकर्ताओं ने रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के अनुभवी हाथों के साथ-साथ मानव सुथार और सारांश जैन जैसे प्रतिभाशाली स्पिनरों को टीम में अवसर दिया है। वहीं, तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज संभालेंगे।

यह दो मैचों की सीरीज केवल एक सामान्य द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंकतालिका में टेबल में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। अभी भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी चक्र में पांचवें स्थान पर है, उसने नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, चार हार और एक ड्रा के साथ 48.15 अंक प्रतिशत हासिल किए हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है; श्रीलंकाई टीम तालिका में छठे स्थान पर है, जिसके पास चार मैचों में एक जीत, एक हार और दो ड्रा के साथ 41.67 अंक प्रतिशत हैं। ऐसे में दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज पाइंट्स टेबल में ऊपर चढ़ने और फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

न्यूज ब्रीफ

रियल मैड्रिड ने युवा स्ट्राइकर कार्लोस को अपने साथ जोड़ा

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबालर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा। गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं। उनका पिछला सीजन विशेष रूप से अच्छा रहा। इस दौरान उन्होंने 27 मैचों में 13 गोल किये। उन्हें पिछले सीजन में लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी भी चुना गया था। कार्लोस के इन गोलों के कारण ही लेवांते को निचली लीग में जाने से बचा था। सत्र सीजन के आखिरी हफ्तों में उनके प्रदर्शन ने टीम को मजबूती मिली थी। इस स्ट्राइकर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए स्पेनिश ला लीगा के क्लब विल्लारियल और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग के साथ् ही कई बड़े क्लबों ने भी रुचि दिखायी थी। रियल मैड्रिड ने हालांकि इस दौड़ में बाजी मार ली। लेवांते ने संभावित चोट के खतरे को कम करने के लिए प्री-सत्र फ्रेंडली मैचों से बाहर रखा था, जो आमतौर पर बड़े ट्रांसफर से पहले किया जाता है। कार्लोस का रियल मैड्रिड में ऐसे समय में आये जब क्लब अपने स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुलहम को बेचने के करीब पहुंच गया है। गोंजालो की यह डील लगभग 40 मिलियन यूरो में फाइनल होने वाली है, जिससे मैड्रिड को काफी रकम मिलेगी। इससे टीम में नए स्ट्राइकर को भी जगह मिलेगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कार्लोस को अगले सत्र में सीधे मैड्रिड की फर्स्ट-टीम स्क्वाड में शामिल किया जाएगा या उन्हें शीर्ष स्तर का अनुभव हासिल करने के लिए किसी अन्य क्लब में लोन पर भेजा जाएगा। यह निर्णय शायद उनके प्री-सीजन प्रदर्शन और क्लब की रणनीतिक जरूरतों पर निर्भर करेगा ।

जर्सी विवाद; अब हाकी इंडिया अध्यक्ष बोले-बिना बताए कलर बदला:दो दिन पहले कहा था- मैदान और जर्सी के नीले रंग से खिलाड़ियों को परेशानी

नई दिल्ली। भारतीय हाकी टीम की जर्सी का रंग नीला से नारंगी किए जाने पर विवाद गहरा गया है। अब हाकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने जर्सी का रंग बदलने पर फेडरेशन के अधिकारियों से लिखित जवाब मांगा है। टिर्की का आरोप है कि यह फैसला उन्हें और एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बिना मंजूरी के बिना लिया गया। ओडिशा सरकार ने भी टिर्की से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में हाकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले हाकी वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लान्च की। इसके बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हाकी से जुड़े लोगों ने इस बदलाव पर सवाल उठाए। हाकी इंडिया ने कहा था- जर्सी के नए रंग के लिए अफसरों से सलाह ली हाकी इंडिया ने 27 जुलाई को भारतीय टीम की नारंगी रंग की नई जर्सी लान्च की। जर्सी का नीला रंग बदले जाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों और हाकी से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया था। इस पर हाकी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि इस पर खिलाड़ियों और फेडरेशन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह ली गई थी।

विश्वकप के मुनाफे के निजीकरण पर यू-टर्न, विरोध के बाद फीफा अध्यक्ष इनफैनटिनो ने वापस लिया प्रस्ताव

न्यूयार्क । विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों के साथ साझा करने की अपनी विवादास्पद योजना वापस ले ली है। दुनिया भर की प्रमुख फुटबाल संस्थाओं के तीखे विरोध के बाद इनफैनटिनो को अपने फैसले पर यू-टर्न लेना पड़ा। इनफैनटिनो ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि विभिन्न पक्षों से बातचीत के बाद यह साफ हो गया कि यह प्रस्ताव फुटबाल जगत में मतभेद बढ़ा रहा है। ऐसे में इसे आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। क्या था पूरा प्रस्ताव फीफा अध्यक्ष ने विश्व कप के संचालन और उससे होने वाले राजस्व के लिए करीब 20 अरब डालर मूल्य की एक नई कंपनी बनाने का प्रस्ताव रखा था। इस योजना के तहत निजी निवेशकों को भी इसमें हिस्सेदारी देने की बात कही गई थी। हालांकि प्रस्ताव सामने आते ही दुनिया की कई फुटबाल संस्थाओं ने इसे विश्व फुटबाल के व्यावसायीकरण की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। यूईएफए से लेकर एशिया तक हुआ विरोध सबसे पहले यूरोपीय फुटबाल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने इस योजना का विरोध किया। यूईएफए के 55 सदस्य देशों ने फीफा के प्रस्ताव के खिलाफ विश्व कप और फीफा की अन्य प्रतियोगिताओं के बहिष्कार तक की चेतावनी दी।

एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने ब्रॉन्ज जीतकर रचा इतिहास

ऐसा करने वाले पहले एथलीट बने

ग्लासगो: कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के स्टार लॉन्ग-डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा दिया है। शनिवार को पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा के फाइनल में जबरदस्त टाइमिंग और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

इस शानदार उपलब्धि के साथ ही गुलवीर कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में 5000 मीटर इवेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह कॉमनवेल्थ गेम्स के किसी एक ही सीजन में ट्रैक एंड फील्ड (एथलेटिक्स) के भीतर एक से अधिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी बन चुके हैं।

सेंकड के सौवें हिस्से से तय हुआ पदक

5000 मीटर के इस बेहद रोमांचक और थ्रिलर फाइनल मुकाबले में गुलवीर ने 13 मिनट 24.95 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। पदक की इस रेस में मुकाबला कितना कड़ा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गुलवीर ने केन्या के दिग्गज धावक कॉर्नेलियस केम्बोई को सेकंड के महज 100वें हिस्से (0.04 सेकंड) के अंतर से पीछे छोड़कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। इस इवेंट का गोल्ड मेडल केन्या के मैथ्यू किपसांग ने 13:23.61 की टाइमिंग के साथ जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 13:24.70 का समय निकालकर रजत पदक अपने नाम किया।

10,000 मीटर में जीता था सिल्वर मेडल

ग्लासगो 2026 में गुलवीर सिंह का यह दूसरा पदक है। इससे पहले इसी सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर ऐतिहासिक सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। वह कॉमनवेल्थ गेम्स की 10,000 मीटर रेस में पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष खिलाड़ी भी बने थे। एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में दो-दो मेडल जीतकर गुलवीर ने भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरे देश में खुशी की लहर है।

वैभव को कम उम्र में उपकप्तानी दिये से एक नई बहस शुरु हुई

दिग्गज खिलाड़ियों ने जतायी चिंता , चयनकर्ता ने किया बचाव

मुम्बई

15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को अगले माह होने वाले दलीप ट्राफी 2026 के लिए ईस्ट जोन का उपकप्तान बनाये जाने के बाद से ही एक नई बहस शुरु हो गयी है। कई दिग्गजों का कहना है कि इतनी कम उम्र में अपकप्तानी के बोझ से वैभव का खेल प्रभावित होगा। वहीं चयनकर्ताओं ने अपने कदम को सही करार देते हुए वैभव को भविष्य का कप्तान करार दिया।

खेल विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों के एक वर्ग ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वैभव पर उप-कप्तानी का अतिरिक्त दबाव डालने की जगह उन्हें अपनी बल्लेबाजी और खेल पर ध्यान केंद्रित करने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए थी। विशेषज्ञों का मानना है कि एक उभरते हुए सितारे पर इतनी जल्दी नेतृत्व की भूमिका थोपना उसकी प्राकृतिक प्रगति में बाधा डाल सकता है।

हालांकि, आलोचनाओं के इस माहौल के बीच ईस्ट जोन के चयनकर्ताओं में से एक और पूर्व रणजी खिलाड़ी प्रबंजन मलिक ने इस फैसले का बचाव किया। मलिक ने चयन समिति के इस महत्वपूर्ण निर्णय के पीछे की सोच को स्पष्ट किया। मलिक ने उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए जोर देकर कहा कि वैभव को कप्तान नहीं, बल्कि उप-कप्तान बनाया गया है, कप्तानी की जिम्मेदारी अनुभवी ईशान किशन निभाएंगे।

मलिक ने समझाया, ईशान एक विकेटकीपर हैं जो मैदान पर पूरे दिन सक्रिय रहते हैं और खेल की रणनीतियों में शामिल होते हैं। मलिक ने आगे कहा कि जैसे-जैसे वैभव परिपक्व हो रहे हैं, उन्हें अधिक जिम्मेदारी देने से वह एक खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता के रूप में और बेहतर बनकर उभरेंगे। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव के लिए नेतृत्व की यह भूमिका नई नहीं है। मलिक ने याद दिलाया कि वह अपनी घरेलू टीम बिहार के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में भी उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अतिरिक्त, 2026 के अंडर-19 विश्व कप में भी वह भारतीय टीम में आयुष म्हात्रे के डिप्टी (उप-कप्तान) रह चुके हैं। वैभव के हालिया प्रदर्शन की तारीफ करते हुए मलिक ने कहा, वह देश के लिए बहुत शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, और राजस्थान रायल्स के लिए उनका हालिया आईपीएल सीजन भी बेहद शानदार रहा है। दलीप ट्राफी जैसे बड़े मंच पर यह जिम्मेदारी उनके लिए एक बेहतरीन अवसर है। वह देश के लिए कुछ बड़ा करना चाहते हैं और चयनकर्ताओं के रूप में हमारा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को जिम्मेदारी देना बहुत जरूरी है। मलिक ने यह भी संकेत दिया कि चयनकर्ता वैभव में भविष्य के भारतीय कप्तान की झलक देखते हैं। उन्होंने कहा, कौन जानता है हम उम्मीद कर रहे हैं कि एक दिन वह भारतीय नेशनल टीम के कप्तान भी बन सकते हैं। वैभव को उप-कप्तान बनाने के पीछे हमारी यही सोच काम कर रही थी।

इंग्लैंड में छाए हुए हैं भारतीय आलराउंडर आशुतोष

लंदन। भारतीय तेज गेंदबाज आशुतोष शर्मा आजकल इंग्लैंड में अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हैं। आशुतोष ने मेट्रो एकदिवसीय कप में हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए केवल चार मैचों में ही 13 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने सेसेक्स के खिलाफ मुकाबले में पांच विकेट लिए। ससेक्स के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने तीन विकेट लेकर हैम्पशायर को जीत दिलायी। उन्होंने अपने 10 ओवर में केवल 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उनकी सटीक लाइन और लेंथ के सामने विरोधी बल्लेबाज टिक नहीं पाये। एकदिवसीय कप में आशुतोष ने 21 जुलाई को यार्कशायर के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही तीन विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इसके बाद मिडिलसेक्स के खिलाफ उन्होंने चार विकेट जबकि वार्सेस्टरशायर के खिलाफ एक विकेट लिया। वहीं ससेक्स के खिलाफ पांच विकेट लेकर उन्होंने जबरदस्त जोरदार वापसी की। आशुतोष के इस शानदार प्रदर्शन से उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स भी उत्साहित है। दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया में आशुतोष की सराहना करते हुए उनके लिए एक पोस्ट भी साझा की है। इससे पहले आईपीएल में दिल्ली के लिए आशुतोष ने पिछले दो आईपीएल सीज़न में एक फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई थी। उन्होंने 21 मैचों में 375 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने कई बार कठिन हालातों में टीम को संभाला है। उनका यह आलराउंड प्रदर्शन उन्हें और भी मूल्यवान बनाता है।

डीपीएल 2026 : अनुज रावत का शतक बेकार, सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने चार विकेट से जीता पहला मुकाबला

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का आगाज अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार रात रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ, जहां सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने अनुज रावत के शानदार शतक पर पानी फेरते हुए पुरानी दिल्ली 6 को चार विकेट से हरा दिया।

मुकाबले से पहले मशहूर गायक सुखबीर सिंह और सुनंदा शर्मा के रंगारंग कार्यक्रम ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के भीतर 30 रन पर तीन विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान अनुज रावत और देव लाकड़ा ने चौथे विकेट के लिए 132 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संकट से उबारा।

देव लाकड़ा ने 37 गेंदों में 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अनुज रावत ने कप्तानी पारी खेलते हुए 59 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। 99 रन पर जीवनदान मिलने के बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने इस सत्र का पहला शतक पूरा किया। उनकी बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने 20 ओवर में चार विकेट पर 202 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

203 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने आक्रामक शुरुआत की। कप्तान यश धुल और सिद्धार्थ जून ने पहले विकेट के लिए केवल 4.5 ओवर में 65 रन जोड़ दिए। जून 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि युगल सैनी ने 16 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। यश धुल ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 45 गेंदों में 72 रन की कप्तानी पारी खेली। उनके आउट होने के बाद वंश बेदी ने 13 गेंदों में 28 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

अंतिम ओवरों में मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। केशव दाबस ने दबाव में शानदार बल्लेबाजी करते हुए पेनल्टिमेट ओवर की आखिरी दो गेंदों पर लगातार दो चौके जड़कर समीकरण अंतिम ओवर में तीन रन का कर दिया। इसके बाद जसवीर सहरावत ने विजयी रन बनाकर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को चार विकेट से शानदार जीत दिला दी और टीम ने डीपीएल 2026 में विजयी शुरुआत की।

बरसों का सपना साकार, अब देश के लिए खेलने का जुनून

इंदौर के सारांश जैन की टीम इंडिया तक पहुंचने की भावुक कहानी; पिता की प्रेरणा, गुरुओं की सीख और संघर्ष बना सफलता का आधार

इंदौर

वर्षों की मेहनत, संघर्ष और सपनों के लंबे इंतजार के बाद इंदौर के आलराउंडर सारांश जैन ने भारतीय क्रिकेट टीम तक पहुंचने का मुकाम हासिल कर लिया है। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चयन के बाद उनके चेहरे पर खुशी के साथ जिम्मेदारी का भाव भी साफ दिखाई दिया। सारांश ने कहा कि भारतीय जर्सी पहनना उनके जीवन का सबसे बड़ा सपना था और अब लक्ष्य है कि देश के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडिया से चर्चा करते हुए सारांश ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अंतिम एकादश में खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मौका मिला तो वह अपने प्रदर्शन से टीम के भरोसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

पिता की बीमारी के बीच मिला था हौसले का संदेश – सारांश ने अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने पिता सुबोध कुमार जैन को दिया। उन्होंने भावुक होकर बताया कि जब उनके पिता मुंह के कैंसर से जूझ रहे थे, तब वह एमपीसीए के दौरे पर आस्ट्रेलिया में क्रिकेट खेल रहे थे। परिवार ने उस समय उनसे पिता की बीमारी की बात छिपाकर रखी थी। इंदौर लौटने के बाद जब सारांश को इस बारे में जानकारी मिली तो वह बेहद दुखी हुए। लेकिन पिता ने बीमारी के बीच भी बेटे का हौसला टूटने नहीं दिया। उन्होंने कागज पर लिखकर संदेश दिया– तुम जितना अच्छा क्रिकेट खेलोगे, मैं उतनी जल्दी ठीक हो जाऊंगा। पिता के इस विश्वास ने सारांश को नई ऊर्जा दी और उन्होंने मैदान पर अपनी मेहनत और जुनून को कई गुना बढ़ा दिया।

हिरवानी, खुरासिया और पंडित ने तराशा हुनर – आफ स्पिनर सारांश ने अपने क्रिकेट सफर में मिले मार्गदर्शन को याद करते हुए कहा कि वरिष्ठ क्रिकेटरों का योगदान उनकी सफलता में बेहद अहम रहा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर नरेंद्र हिरवानी और अमय खुरासिया ने उन्हें क्रिकेट की बारीकियां सिखाईं। वहीं मध्यप्रदेश टीम के कोच चंद्रकांत पंडित का मार्गदर्शन उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। सारांश ने रविचंद्रन अश्विन और हरभजन सिंह को अपना आदर्श खिलाड़ी बताया। उन्होंने कहा कि हाल ही में हरभजन सिंह से मिली सीख ने उन्हें काफी प्रेरित किया। सफलता के लिए लगातार मेहनत और समर्पण जरूरी है, इसी सोच को उन्होंने अपने जीवन का हिस्सा बनाया।

संघर्ष के दौर में कई बार टूटा हौसला – सारांश ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा कि टीम इंडिया तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। कई बार परिस्थितियां ऐसी बनीं कि क्रिकेट छोड़ने का विचार आया, लेकिन परिवार ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। रणजी क्रिकेटर रहे उनके पिता का सपना था कि उनका बेटा एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करे। चयन के बाद पिता का भावुक संदेश उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार बना। सारांश ने अपने बड़े भाई, परिवार और मध्यप्रदेश टीम के साथियों का आभार जताते हुए कहा कि अब उनकी पूरी तैयारी भारतीय टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की है।

मंदिर दर्शन के बाद मिली जिंदगी बदलने वाली खबर – सारांश ने बताया कि टीम चयन वाले दिन वह इंदौर के गुमास्ता नगर नाकोड़ा जैन मंदिर और रणजीत हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए थे। मंदिर से लौटने के बाद जैसे ही वह गाड़ी में बैठे, सोशल मीडिया पर भारतीय टीम में चयन की खबर दिखाई दी। शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ, लेकिन लगातार आने वाले फोन काल और बधाई संदेशों ने इस ऐतिहासिक पल को सच साबित कर दिया। सारांश ने कहा कि यह क्षण उनके और पूरे परिवार के लिए बेहद भावुक था।

एआई का डर खत्म! आईटी सेक्टर के लिए अब कमाई का नया मौका

काग्निजेंट की कुल कमाई का लगभग 25 फीसदी हिस्सा ही पुराने कान्ट्रैक्ट्स से आ रहा है

नई दिल्ली

भारतीय आईटी सेक्टर जो पिछले डेढ़-दो साल से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण कमाई और नौकरियों पर संभावित नकारात्मक असर को लेकर आशंकित था, अब एक नई उम्मीद देख रहा है। एक रिपोर्ट और आईटी दिग्गज काग्निजेंट के नतीजों ने इस डर को काफी हद तक दूर कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एआई की वजह से कीमतों और कंपनियों की आय पर पड़ने वाले दबाव का बड़ा हिस्सा शायद अब पीछे छूट चुका है, जिससे सेक्टर के लिए ग्रोथ का नया रास्ता खुलता दिख रहा है।

पिछले काफी समय से यह चिंता थी कि एआई की तेज रफ्तार से प्रोजेक्ट पूरे होने के कारण ग्राहक कीमतों में कमी का दबाव डालेंगे, जिससे टीसीए, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो जैसी कंपनियों की ग्रोथ सुस्त पड़ सकती है। लेकिन नई रिपोर्ट, जो काग्निजेंट के नतीजों का विश्लेषण करती है, बताती है कि यह चिंता अब कम हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार काग्निजेंट की कुल कमाई का केवल लगभग 25 फीसदी हिस्सा ही अब उन पुराने कान्ट्रैक्ट्स से आ रहा है, जो एआई के आने से पहले तय हुए थे। अगले 12 से 18 महीनों में इन सभी कान्ट्रैक्ट्स की भी नई कीमतें तय हो जाएंगी। छोटे प्रोजेक्ट्स (6-15 महीने) में एआई से होने वाली लागत बचत का असर पहले ही दिख चुका है। एक बार पुराने कान्ट्रैक्ट्स की री-प्राइसिंग पूरी हो जाने के बाद, कंपनियों की ग्रोथ इस बात पर निर्भर करेगी कि एआई उन्हें कितना नया कारोबार दिलाने में मदद करता है। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि एआई अब केवल खर्च घटाने का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह कंपनियों के लिए कमाई और नए कारोबार का बड़ा अवसर बन रहा है। काग्निजेंट में अब 40 फीसदी से अधिक साफ्टवेयर डेवलपमेंट एआई की मदद से किया जा रहा है। कंपनी वर्तमान में 8,000 से ज्यादा एआई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है और उसने नए एआई प्रोडक्ट व सर्विस तैयार करने के लिए एक विशेष एआई टीम भी बनाई है। यह स्पष्ट है कि आईटी कंपनियां अब एआई के दम पर नए ग्राहक जोड़ने, इनोवेटिव सेवाएं देने और अपने कारोबार का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह बदलती तस्वीर भारतीय आईटी सेक्टर के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

न्यूज ब्रीफ

कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करेगी पियाजियो

नई दिल्ली। भारतीय दोपहिया बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए पियाजियो कंपनी वर्ष 2027 की पहली छमाही में कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करने जा रही है। पियाजियो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्रैफी के अनुसार, कंपनी पूरी तरह भारत को ध्यान में रखकर एक नए प्लेटफार्म पर स्कूटरों की यह श्रृंखला विकसित कर रही है। यह केवल एक माडल नहीं होगा, बल्कि एक ही ब्रांड के तहत कई अलग-अलग स्कूटर पेश किए जाएंगे, जिनकी कीमतें प्रतिस्पर्धी रखी जाएंगी। वर्तमान में पियाजियो भारत में मुख्य रूप से वेस्पा ब्रांड के प्रीमियम स्कूटर बेचती है, जिनकी शुरुआती कीमत लगभग 1.20 लाख रुपये से अधिक है। ऊंची कीमत के कारण यह ब्रांड सीमित ग्राहकों तक ही पहुंच बना सका है। अब कंपनी कम कीमत वाले और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त स्कूटरों के जरिए बड़े ग्राहक वर्ग तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। डिएगो ग्रैफी ने स्वीकार किया कि पिछले वर्षों में कंपनी कम कीमत वाले स्कूटरों के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने में सफल नहीं रही, और अब इस कमी को दूर करने की तैयारी है। इन स्कूटरों का उत्पादन महाराष्ट्र के बारामती स्थित पियाजियो के विनिर्माण संयंत्र में किया जाएगा, जहाँ पर्याप्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है। भारतीय स्कूटर बाजार लगातार विस्तार कर रहा है, जिसमें पेट्रोल स्कूटरों के साथ-साथ टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक ईवी और एथर रिज्टा जैसे ईवी स्कूटरों का दबदबा भी बढ़ रहा है।

पीएफ खाते से पैसे निकालना, म्यूचुअल फंड से भी ज्यादा आसान होगा

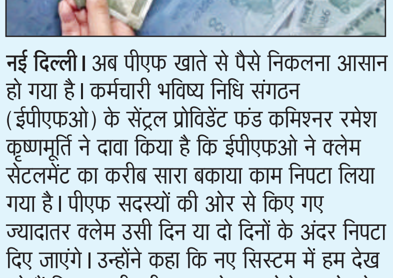

नई दिल्ली। अब पीएफ खाते से पैसे निकलना आसान हो गया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेंट्रल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर रमेश कृष्णमूर्ति ने दावा किया है कि ईपीएफओ ने क्लेम सेटलमेंट का करीब सारा बकाया काम निपटा लिया गया है। पीएफ सदस्यों की ओर से किए गए ज्यादातर क्लेम उसी दिन या दो दिनों के अंदर निपटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नए सिस्टम में हम देख रहे हैं कि 90 फीसदी तक क्लेम आटोसेटल हो रहे हैं। हमें उम्मीद है कि सदस्यों द्वारा किए गए ज्यादातर क्लेम या तो उसी दिन या अधिकतम दो दिनों के अंदर सेटल हो जाएंगे। इसका मतलब है कि अब पीएफ से पैसे निकालना म्यूचुअल फंड से भी कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कृष्णमूर्ति ने एक कार्यक्रम में कहा कि ईपीएफओ की नई रोजगार योजनाएं और चल रहे सुधार, नियोक्ताओं के लिए नियमों का पालन आसान बनाने के साथ-साथ सदस्यों को विश्व स्तरीय सेवाएं देने पर केंद्रित हैं। संगठन अब नियमों के पालन से जुड़े सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि नियोक्ताओं के लिए कामकाज आसान हो सके और नियोक्ताओं व कर्मचारियों दोनों के लिए एक भरोसेमंद सामाजिक सुरक्षा संस्थान के तौर पर विश्वास मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि ईपीएफओ की नई रोजगार योजनाओं और सुधारों का मकसद सदस्यों को दुनिया की सबसे अच्छी सेवाएं देना है।

जुलाई में 2.11 लाख करोड़ रुपये पहुंचा GST संग्रहः सालाना आधार पर 15.4% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। जुलाई 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार की ओर से जारी मासिक जीएसटी राजस्व रिपोर्ट के अनुसार, यह जुलाई 2025 के 1.83 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.4 फीसदी ज्यादा है। यानी एक साल में जीएसटी संग्रह में 15.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी मजबूत घरेलू राजस्व और आयात से मिलने वाले कर में बड़ी वृद्धि के कारण हुई है। देश के अंदर होने वाले कारोबार से मिलने वाला घरेलू जीएसटी राजस्व जुलाई 2026 में 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2025 में यह 1.31 लाख करोड़ रुपये था। वहीं, आयात से मिलने वाले जीएसटी राजस्व में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। आयात से मिलने वाला जीएसटी 28.8 फीसदी बढ़कर 66,511 करोड़ रुपये हो गया। इससे जुलाई महीने का कुल जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जीएसटी संग्रह के नए आंकड़े बताते हैं कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद देश में घरेलू खपत और कारोबार की गतिविधियां स्थिर बनी रहीं।

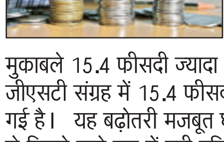

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम

नई दिल्ली

ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें लागू हो गई हैं।

हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 682.23 अरब डालर हुआ, गोल्ड रिजर्व में भी इजाफा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार (फारेक्स रिजर्व) 6.118 अरब डालर बढ़कर 682.2354 अरब डालर पर पहुंच गया, जिससे इसके लगातार मजबूत होने का संकेत मिल रहा है। इससे पहले 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डालर बढ़कर 676.237 अरब डालर हो गया था। लगातार दूसरे सप्ताह आई इस बढ़ोतरी से देश की बाहरी आर्थिक स्थिति और मजबूत हुई है। आरबीआई के अनुसार, समीक्षा अवधि में स्वर्ण भंडार (गोल्ड रिजर्व) का मूल्य 1.308 अरब डालर बढ़कर 103.058 अरब डालर हो गया। वहीं, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 4.873 अरब डालर बढ़कर 555.929 अरब डालर पर पहुंच गईं। आरबीआई ने बताया कि डालर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। हालांकि, इस दौरान स्पेशल ड्राइंग राइट्स (एसडीआर) में 5.3 करोड़ डालर की कमी आई और यह घटकर 18.617 अरब डालर रह गया। आरबीआई के साप्ताहिक सांख्यिकीय पूरक के अनुसार, इस साल की शुरुआत में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में जो गिरावट आई थी, उससे अब लगातार उबरने का सिलसिला जारी है। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते रुपए पर दबाव बढ़ा।

मारुति ई-विटारा 47 देशों में बनी ग्राहकों की पसंद

नई दिल्ली

भारत से इलेक्ट्रिक कारों का निर्यात लगभग 14 गुना बढ़ गया है, जो पिछले साल की 1,122 यूनिट्स से बढ़कर इस साल 15,600 यूनिट्स तक पहुँच गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के यह आंकड़े इस वृद्धि को दर्शाते हैं। यह वृद्धि भारतीय आटोमोबाइल सेक्टर के लिए एक नई उड़ान का संकेत है, जिसमें विदेशी बाजारों में भारत निर्मित ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता दिखती है।

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से मारुति सुजुकी की नई इलेक्ट्रिक कार, ई-विटारा को जाता है, जिसने विदेशी बाजारों में धूम मचा दी है। कुल निर्यात की गई 15,600 कारों में से लगभग 15,200 कारें अकेले मारुति की ई-विटारा की हैं, जिससे यह भारत से सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली कारों की सूची में सीधे तीसरे नंबर पर आ गई है।

ई-विटारा की सफलता दुनिया के 47 अलग-अलग देशों तक फैली है, जिनमें यूरोप, एशिया और अफ्रीका के कई बड़े बाजार शामिल हैं, जो मेक इन इंडिया पहल की वैश्विक स्वीकार्यता और भारतीय तकनीक, डिजाइन व सुरक्षा पर दुनिया के भरोसे को दर्शाता है।

जबकि मारुति सुजुकी वर्तमान मे निर्यात में आगे है, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी अन्य भारतीय दिग्गज कंपनियां भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को विदेशी बाजारों में लान्च करने के लिए तेजी से तैयारी कर रही हैं, जिससे यह आंकड़ा भविष्य में कई गुना और बढ़ने की उम्मीद है।

वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए विदेशी कंपनियां भी भारत मे कारें बनवाना पसंद कर रही हैं, क्योंकि यहाँ उत्पादन लागत कम है, कुशल इंजीनियर और मजदूर आसानी से उपलब्ध हैं, और भारत सरकार भी उद्योगों को कई तरह की छूट व मदद दे रही है। यह भारत को वैश्विक आटोमोबाइल उत्पादन और निर्यात के एक बड़े केंद्र के रूप मे स्थापित कर रहा है।

मालूम हो कि भारत अब केवल अपने घरेलू बाजार के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों का एक बड़ा निर्माता बनकर उभर रहा है।

एथेनाल से पेट्रोल पर 30 प्रति लीटर की बचत हुई

नई दिल्ली। क्रूड आयल की कीमतें जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में 135 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई थीं, तब अगर तेल कंपनियों ने पेट्रोल में एथेनाल की ब्लेंडिंग न की होती, तो दिल्ली में पेट्रोल का भाव लगभग 125 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया होता। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एथेनाल प्रोग्राम की लागत, खाद्य सुरक्षा पर असर और टैक्सपेयर्स की सब्सिडी से जुड़े दावों का जवाब देते हुए यह बात कही। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संकट के समय पर इस प्रोग्राम की वजह से पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 30 रुपए की बचत हुई। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतें बढ़ने के बावजूद देश में उपभोक्ताओं को पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिला। इसका कारण यह था कि पूर्व-निर्धारित कीमतों पर घरेलू स्तर पर खरीदे गए एथेनाल की हर एक लीटर पेट्रोल में 20% हिस्सेदारी थी। इसी वजह से रिटेल कीमतें क्रूड के तेज उछाल से बची रहीं। 28 फरवरी को पश्चिमी एशिया में तनाव और संघर्ष शुरू होने के बाद, सरकार ने करीब 75 दिनों तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा था। इसके बाद मई में दामों में 7.5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

अगले महीने लांच होगा मोटोरोला का नया टैबलेट

नई दिल्ली

भारत में मोटोरोला कंपनी अपना नया 5जी टैबलेट मोटो पैड 70 अगले महीने 9 अगस्त को लान्च करने जा रही है। बड़ी डिस्प्ले, दमदार बैटरी, स्टाइलस सपोर्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के साथ आने वाला यह डिवाइस पढ़ाई, आफिस के काम और मनोरंजन के लिए एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है। इसकी बिक्री लान्च के बाद फ्लिपकार्ट के माध्यम से शुरू होगी, हालांकि कंपनी ने अभी इसकी कीमत की घोषणा नहीं की है। मोटो पैड 70 में 12.1 इंच का 2.5के डिस्प्ले दिया गया है, जिसकी अधिकतम ब्राइटनेस 800 निट्स है।

डिस्प्ले 96 प्रतिशत डीसीआई-पी3 कलर गैमट को सपोर्ट करता है, जिससे तस्वीरें और वीडियो अधिक स्पष्ट और प्राकृतिक रंगों में दिखाई देंगे। कंपनी बाक्स में ही मोटो पेन भी उपलब्ध करा रही है, जिसमें 4096 प्रेशर लेवल, टिल्ट डिटेक्शन और पाम रिजेक्शन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इससे यूजर्स आसानी से नोट्स बना सकेंगे, ड्राइंग कर सकेंगे और अन्य रचनात्मक कार्य कर पाएंगे। टैबलेट में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6400 प्रोसेसर लगाया गया है, जो मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। इसमें 10,200द्बद्ध की बड़ी बैटरी दी गई है, जिसे 68 वाट टर्बोपावर फास्ट चार्जिंग का समर्थन मिलेगा। डिवाइस मोटो फोलियो कीबोर्ड और स्मार्ट कनेक्ट फीचर को भी सपोर्ट करेगा। यह टैबलेट एंड्रायड 16 के साथ आएगा और कंपनी ने इसे एंड्रायड 18 तक आपरेटिंग सिस्टम अपडेट तथा वर्ष 2030 तक सुरक्षा अपडेट देने का वादा किया है। इसके अलावा डिवाइस में एआई रीराइट, सर्किल टू सर्च, एआई समरी, एआई कंटिन्यू राइटिंग और गूगल जेमिनी जैसे एआई फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। मोटो पैड 70 में डाल्बी एटमास सपोर्ट वाले चार स्पीकर दिए गए हैं, जो बेहतर आडियो अनुभव प्रदान करेंगे। यह टैबलेट केवल 6.29 मिमी पतला है और इसका वजन 530 ग्राम है।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

इसका मकसद बल्क डिपाजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और समान प्रोसेस तय करना

नई दिल्ली

फिक्स्ड डिपाजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपाजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्माल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-आपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा।

फिक्स्ड डिपाजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपाजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपाजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग आफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी।

आरबीआई ने एक और बदलाव किया है। अब बैंक ऐसे बड़े जमा पर ज्यादा ब्याज दे सकेंगे, जिनके जल्दी निकाले जाने की संभावना होती है। बैंकिंग में इसे लिक्विडिटी कवरेज रेशियो के आधार पर देखा जाता है। उदाहरण के लिए आम लोगों की एफडी अक्सर तय समय तक बनी रहती है, लेकिन बड़ी कंपनियां जरूरत पड़ने पर करोड़ों रुपए जल्दी निकाल सकती हैं। ऐसे ज्यादा रिस्क वाले बल्क डिपाजिट पर बैंक पहले से बेहतर ब्याज दर देने का फैसला कर सकते हैं। यह सुविधा घरेलू और एनआरआई, दोनों तरह के बड़े जमा पर लागू होगी। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा उन कंपनियों, संस्थानों और हाई नेटवर्थ ग्राहकों को होगा, जो 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की एफडी कराते हैं। अब उन्हें हर सुबह बैंक की वेबसाइट पर उस दिन की ब्याज दर साफ दिखाई देगी। किसी ग्राहक को सिर्फ रिश्ते या मोलभाव के आधार पर ज्यादा ब्याज नहीं मिलेगा। 3 करोड़ रुपए से कम की एफडी कराने वाले आम ग्राहकों पर यह नियम सीधे लागू नहीं होगा। हालांकि आरबीआई का कहना है कि बैंक जो ब्याज दर वेबसाइट पर दिखाएंगे, उसके मुताबिक ग्राहकों को आफर भी करना होगा। इससे बैंकिंग व्यवस्था में ट्रांसपरेंसी बढ़ेगी। अगर आप या आपकी कंपनी 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की एफडी कराती है, तो 1 अक्टूबर 2026 के बाद जमा करने से पहले बैंक की वेबसाइट पर उस दिन की ब्याज दर जरूर देखें। आपको उसी दिन उसी रकम पर वही दर मिलने का अधिकार होगा, जो वेबसाइट पर प्रकाशित है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 02 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रेलवे स्टेशन पर कांची वेलफेयर सोसायटी ने किया भोजन एवं साड़ी वितरण

सफाई कर्मचारियों, कुलियों एवं महिला कर्मियों का किया सम्मान, जन्मदिवस पर हुई सेवा पहल

रेलवे अधिकारियों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांची वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-10 पर सफाई कर्मचारियों, कुलियों एवं अन्य जरूरतमंद कर्मियों के लिए भोजन वितरण तथा महिला कर्मचारियों को साड़ियों का वितरण किया गया। यह सेवा कार्यक्रम शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 को दोपहर 12:30 बजे आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी, श्रमिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कांची वेलफेयर सोसायटी की कार्यक्रम संयोजिका कांची मिश्रा ने बताया कि यह कार्यक्रम कुमारी मिश्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सफाई कर्मचारियों, कुलियों तथा अन्य श्रमिकों को भोजन कराया गया, जबकि महिला कर्मचारियों को साड़ियां भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. नारायण स्वामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं वरिष्ठ डीईएन (एचएम) अधिकारी आर. डी. श्रीहर्षा ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विशिष्ट अतिथियों में लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमतभाई पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, श्री शक्ति गणपति मंदिर, रामकोट के चेयरमैन रघुभाई, श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद के मानद मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, हैदराबाद-सिकंदराबाद गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरुण मेहता तथा मंत्री अजय ओझा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कांची वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्षा परमेश्वरी शर्मा ने कुमारी मिश्री के जन्मदिवस के अवसर पर भोजन वितरण कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले अजय ओझा परिवार तथा साड़ी वितरण में सहयोग देने वाले श्री शक्ति गणपति मंदिर, रामकोट के चेयरमैन रघुभाई के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा कावरा, उषा रानी, रेनु नायर तथा महेश बाबू ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर रेलवे के अधिकारी, सफाई कर्मचारी, निर्माण श्रमिक, कुली तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकार की भावना से आयोजित इस कार्यक्रम की सभी उपस्थितजनों ने सराहना की।

माँ श्री जीन माता के मंगल पाठ एवं झूला उत्सव की तैयारियां तेज

16 अगस्त को हरे कृष्णा गोल्डन टेम्पल में होगा भव्य धार्मिक आयोजन, विभिन्न समितियों का गठन

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ श्री जीन परिवार की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें आगामी 16 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले माँ श्री जीन माता के मंगल पाठ एवं झूला उत्सव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न समितियों का गठन किया गया तथा सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह पावन धार्मिक आयोजन हरे कृष्णा गोल्डन टेम्पल, रोड नंबर-12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में 16 अगस्त 2026 को दोपहर 3:25 बजे से प्रारंभ होगा।

आयोजन के दौरान माँ श्री जीन माता का मंगल पाठ, भजन-कीर्तन, झूला उत्सव तथा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं को माता के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

माँ श्री जीन परिवार ने सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तों से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार, परिजनों एवं मित्रों सहित इस दिव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन में उपस्थित होकर माँ श्री जीन माता का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा अपनी सहभागिता से कार्यक्रम की गरिमा और भव्यता को बढ़ाएं। आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न होगा।

मानव सेवा का जनआंदोलन बन चुका है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा भावना एवं समर्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक, राहगीरों एवं जरूरतमंद परिवारों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर चलाया जा रहा यह सेवा अभियान आज समाज में प्रेरणा का केंद्र बन चुका है तथा अनेक लोग इससे जुड़कर सेवा कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना ही किसी भी संगठन की वास्तविक पहचान होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने बहुत कम समय में जिस प्रकार मानव सेवा का एक सशक्त अभियान खड़ा किया है, वह पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि जब कोई कार्य निस्वार्थ भाव, ईमानदारी और भगवान श्रीराधारानी के आशीर्वाद को आधार बनाकर किया जाता है, तब उस कार्य में सफलता स्वयं कदम चूमती है। यही कारण है कि आज राधे-राधे ग्रुप निरंतर आगे बढ़ रहा है और सेवा के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्रुप के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और सेवा के प्रति अटूट समर्पण ने इस संगठन को एक परिवार का स्वरूप दिया है। उनके मार्गदर्शन में प्रत्येक सदस्य बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा के इस पावन यज्ञ में अपनी आहुति दे रहा है। यह केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत कर रहा है।

संजय गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को महादान की संज्ञा दी गई है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है।

जिस समाज में सक्षम लोग जरूरतमंदों की चिंता करते हैं, वह समाज सदैव प्रगति करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक परिवार अपने शुभ अवसरोंजन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्य स्मृति दिवस अथवा अन्य पारिवारिक आयोजनोंपर कुछ समय और संसाधन समाज सेवा के लिए भी समर्पित करे। इससे समाज में समानता, सद्भाव और आत्मीयता का वातावरण और अधिक मजबूत होगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, संजय गुप्ता, कमल मुंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना के साथ मानवता की सेवा का यह अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँच सके और समाज में सेवा, सहयोग एवं संस्कार की भावना निरंतर मजबूत होती रहे।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्री रामचंद्र जी मठ, संगम मंदिर, लंगरहोज पर श्री राहुल दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मोतीलाल तिवारी, रामदेव व्यास, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, घनश्याम जोशी (बिड़ला जी), जगदीश प्रसाद उपाध्याय बिकावत (गो भक्त), विजय कुमार उपाध्याय (बिराठीया), रमेशचंद्र उपाध्याय व जगदीश प्रसाद तिवारी।

सरकारी स्कूल के छात्र प्रोत्साहन पाकर मोती की तरह चमकेंगे: नरहरि

पेद्दापल्ली, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग (भूमि एवं संसाधन) के संयुक्त सचिव परिकिपांडला नरहरि ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के छात्रों को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया जाए तो वे भविष्य में मोती की तरह चमकेंगे। शनिवार को पेद्दापल्ली दौरे के दौरान उन्होंने सरकारी बॉयज़ हाई स्कूल का निरीक्षण किया, मध्याह्न भोजन योजना का जायजा लिया तथा छात्रों के साथ भोजन कर उनकी समस्याएं और राय जानी।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन नामांकन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सरकारी स्कूलों में प्रतिभाशाली छात्र हैं, जिन्हें अवसर दिए जाएं तो वे समाज के आदर्श बन सकते हैं। मध्याह्न भोजन प्रबंधन की कुछ समस्याएं उनके संज्ञान में आई हैं, जिन्हें वे तेलंगाना सरकार और आवश्यकता पड़ने पर केंद्र सरकार के ध्यान में लाकर समाधान करवाएंगे।इस अवसर पर ओडेला मल्लिकार्जुन स्वामी देवस्थानम अध्यक्ष चीकटला मुंडैया, पीएच-सीआई डॉ. भावना, मंगापेट सरपंच अकुला श्रीनिवास, उपसरपंच गोपाल, प्रभारी प्रधानाचार्य लक्ष्मण सहित शिक्षक एवं अन्य उपस्थित रहे।

कारवान दादावाड़ी चातुर्मास में विराजित खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सुरीश्वरजी महाराज साहब आदि ठाणा को वंदन कर, आशीर्वाद लेकर पर्युषण पर्व आराधना में 8 दिन निश्रा प्रदान करने हेतु विनती करते हुए श्री आदिनाथ राजेंद्रसूरी जैन श्वेतांबर संघ के दिनेश मुथा, जयंतिलाल बंदामुथा, प्रवीण मरडिया, अरुण मंडोत, अशोक संकलेचा एवं अन्य।

अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष एवं समाजसेवी नरेंद्र कुमार गोयल ने लीला देवी गोयल, महेंद्र सिग्नोडिया, उमा सिग्नोडिया, प्रह्लाद राय टिबरेवाल, बी. के. अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल एवं अन्य के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधानपूर्वक भगवान शिव का अभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा समाज और देश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सभी ने भगवान काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विश्व कल्याण, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

गर्व चाण्डक ने थाईलैण्ड में नाईनथ हीरोस ताइक्कांडो इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में जीता रजत पदक

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 31 जुलाई से 2 अगस्त तक थाईलैण्ड के पटाया शहर में आयोजित नाईनथ हीरोस ताइक्कांडो इंटरनेशनल चैम्पियनशिप 2026 के 20 कि.ग्रा. वर्ग में हैदराबाद के सी.के. ताइक्कांडो क्लब के खिलाड़ी गर्व चाण्डक ने रजत पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में 29 देशों से लगभग 4,000 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। गर्व चाण्डक, जो भवेश एडवटाईजर्स के हरिप्रसाद चाण्डक के पौत्र और अनूप चाण्डक के पुत्र हैं, ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का दिल जीता।

जलगांव महाराष्ट्र से पधारे समाज के युवा नेता व उपाध्यक्ष श्री उत्तमचंद जी जोशी (तडबा तिवारी) के नगरागमन पर सिखवाल प्रगति समाज द्वारा शाल व माला से सम्मान करते रामदेव नागला, चन्द्रभान व्यास,टिकमचंद जोशी (तडबा तिवारी),संदिप जायलवाल,नरेश पाण्डीया, श्रीनिवास नागला तिवारी

ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन 2026 की 9वीं संस्करण की घोषणा

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्वांबिएंट के ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन 2026 का 9वां संस्करण एवरनॉर्थ हेल्थ सर्विसेज के सहयोग से शुक्रवार शाम होटल दासपल्ला, जुबली हिल्स में भव्य लॉन्च कार्यक्रम में औपचारिक रूप से घोषित किया गया।

यह वैश्विक कार्यक्रम 11 अक्टूबर 2026 को गचीबावली स्टेडियम, हैदराबाद में शारीरिक और वर्चुअल दोनों स्वरूपों में आयोजित होगा। हैदराबाद संस्करण प्रत्यक्ष (इन-पर्सन) होगा।

फिल्म निर्माता अनिल रविपुड़ी और अभिनेत्री निधि अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने आधिकारिक टी-शर्ट और फिनिशर मेडल का अनावरण किया। निधि अग्रवाल ने कहा, डॉक्टर ही असली हीरो हैं। ग्रेस कैंसर फाउंडेशन उल्लेखनीय काम कर रहा है। 40 साल के बाद नियमित स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं।

अनिल रविपुड़ी ने तनाव कम करने और शरीर की सुनने पर जोर देते हुए कहा कि हंसी सबसे अच्छी दवा है।

फाउंडर डॉ. चिन्नाबाबू सुनकवल्ली ने बताया कि ग्रेस कैंसर फाउंडेशन जल्द ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होगा। इस वर्ष की दौड़ से जुटाए गए फंड से एक लाख आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मोबाइल स्क्रीनिंग यूनिट्स के माध्यम से कैंसर और अन्य गैर-संचारी रोगों की जांच की जाएगी। साथ ही एचपीवी टीकाकरण, जागरूकता और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

क्वांबिएंट डेवलपर्स के संस्थापक योगेंद्रनाथ ने कहा कि कोई भी व्यक्ति कैंसर से पीड़ित न हो, इसके लिए वे इस पुनीत कार्य का समर्थन जारी रखेंगे।

शुरुआत से अब तक यह विश्व का सबसे बड़ा कैंसर जागरूकता रन बन चुका है, जिसने 130 से अधिक देशों में लगभग 1.4 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई है। हैदराबाद संस्करण में करीब 35,000 और वैश्विक स्तर पर एक लाख से अधिक प्रतिभागियों की उम्मीद है। प्रतिभागी 2घ, 5घ और 10घ श्रेणियों में पंजीकरण करा सकते हैं। रेस डायरेक्टर डॉ. पेद्दा रेड्डी तालुगुल होंगे। इच्छुक व्यक्ति ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

ऑपरेशन मुस्कान-12 में 278 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया

पेद्दापल्ली में 151, मंचेरियल में 127 बच्चे बचाए गए, क्रॉसर 2: 17 मामले दर्ज, 19 आरोपी गिरफ्तार

मंचेरियाल, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) : बाल श्रम उन्मूलन के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर वर्ष दो बार ऑपरेशन स्माइल और ऑपरेशन मुस्कान अभियान चलाया जाता है। यह जानकारी रामगुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने दी।

उन्होंने बताया कि इन अभियानों के तहत लापता, परित्यक्त तथा किराना दुकानों, मैकेनिक शॉप, होटलों, उद्योगों, विभिन्न संस्थानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बाल श्रमिक के रूप में काम कर रहे या सड़कों पर भीख मांगने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित बचाया जाता है। इसके बाद उनके परिजनों की काउंसलिंग कर बच्चों को सौंपा जाता है या आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बाल संरक्षण गृह भेजा जाता है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि रामगुंडम पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में ऑपरेशन मुस्कान-12 को पेद्दापल्ली और मंचेरियल जिलों की पुलिस, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, बाल संरक्षण विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य सरकारी विभागों के समन्वय से सफलतापूर्वक संचालित किया गया। प्रत्येक डिवीजन में एक एसआई और चार पुलिसकर्मियों की विशेष टीम गठित कर स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया गया।1 जुलाई से 31 जुलाई तक चले अभियान में पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र से कुल 278 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया।

पेद्दापल्ली जिले में 130 बालक और 21 बालिकाओं सहित कुल 151 बच्चों को बचाया गया। इस दौरान 11 मामले दर्ज किए गए और 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं मंचेरियल जिले में 102 बालक और 25 बालिकाओं सहित कुल 127 बच्चों को बचाया गया। यहां 6 मामले दर्ज कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन में सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की और कहा कि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन स्माइल और ऑपरेशन मुस्कान अभियान लगातार जारी रहेंगे।

श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति में श्रावण मास विशेष पूजा अनुष्ठान जारी

तिरुपति, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रावण मास में शिव आराधना से खुलते हैं सौभाग्य और मोक्ष के द्वार क्योंकि सनातन धर्म में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना का सर्वोत्तम काल माना गया है। श्रावण मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, तप, भक्ति एवं मोक्ष साधना का दिव्य अवसर है। प्रेमपूर्वक की गई भक्ति की शक्ति निश्चित ही शिव स्वरुप अर्थात् जगत पिता परमात्मा से साक्षात्कार करा देती है।

परम पूज्य गुरुदेवश्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के कुछ इसी प्रकार के विशेष संदेश को आत्मसात करते हुए यहां सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन तिरुपति के तत्वावधान में श्रीब्रह्मर्षि आश्रम, श्री सिद्धेश्वर तीर्थ तिरुपति में श्रावण मास विशेष श्रीब्रह्मेश्वर महादेव की पूजा का विधान अनुष्ठान तीसरे दिन अर्थात् तृतीया तिथि पर भी जारी रहा।

परम पूज्य गुरुदेव ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के कृपामय दिव्य आशीर्वाद से शनिवार को श्री शिवशक्ति की विशेष आराधना, महारुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप व महामृत्युंजय यज्ञ में आहुतियों के साथ शिवभक्ति का अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न पवित्र नदियों के जल, दूध, दही, घी, शहद, शर्करा, इत्र इत्यादि सहित कुल 158 प्रकार के द्रव्यों, दिव्य औषधियों एवं जड़ी बूटियों के द्वारा श्रीब्रह्मेश्वर महादेव का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत महाभिषेक किया गया।

श्री सिद्धेश्वर तीर्थ के परम् गुरुभक्त शांतिलाल मेहता ने बताया कि आश्रम के आचार्य श्रीनिवासजी जितेंद्र श्रीमाली के आचार्यत्व में अनेक विप्र पंडितों द्वारा कराए जा रहे इस दिव्य अनुष्ठान में देश-विदेश से यहां उपस्थित गुरु भक्तों, दंपत्ति परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर लाभ लिया। इनमें सुशील केशव ड्रॉलिया, राजेश पुरिया, ओपी शर्मा, आशीष मेहता, अरविंद भंडारी सहित अनेक स्थानों से आए भक्तजन शामिल हुए।

संगीतमय भजनों एवं स्त्रोत, मंत्रों की स्वरमयी प्रस्तुतियों के साथ करीब चार घंटे तक चले पूजन अनुष्ठान के बाद सभी भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान शिव शंकर को जिसने पूजा उसका ही उद्धार हुआ,भोले शंकर मेरे भोलेनाथ,'तीनों लोक में तू ही तू,जपले ओम नमः शिवाय ओम नमः शिवाय,हर हर हर महादेव सरीखे अनेक भजनों की प्रस्तुतियों पर उपस्थित भक्तों की तालियों की गूंज एवं बाबा भोलेनाथ के जयकारे लगते रहे।

पेपर उद्योग को नवाचार, स्थिरता और सहयोग अपनाना होगा : निखिल चक्रवर्ती

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। फेडरेशन ऑफ पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन (एफपीटीए) और तेलंगाना पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन (टीपीएमए) ने संयुक्त रूप से नेशनल पेपर डे मनाया। एफटीसीसीआई, रेड हिल्स में आयोजित सेमिनार में पेपर, प्रिंटिंग, पैकेजिंग और संबद्ध उद्योगों के नेता एकत्र हुए।

मुख्य अतिथि तेलंगाना सरकार के उद्योग निदेशक श्री निखिल चक्रवर्ती, आईएएस ने कहा कि पेपर उद्योग भारत की आर्थिक वृद्धि, शिक्षा, पैकेजिंग, ई-कॉमर्स, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्रों के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने उद्योग से नवाचार, स्थिरता और प्रौद्योगिकी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने तेलंगाना के व्यवसाय-अनुकूल माहौल, टीजी-आईपास और आसानी से व्यापार करने की सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार उद्योग के साथ मिलकर चुनौतियों का समाधान करेगी।

एफपीटीए के प्रेसिडेंट-इलेक्ट श्री टी. किशन सिंह ने पेपर और पेपरबोर्ड पैकेजिंग पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% करने की मांग की। टीपीएमए अध्यक्ष श्री अभिषेक विजयवर्गीय ने तेलंगाना को पेपर-प्रिंटिंग-पैकेजिंग का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

टीपीएमए के मानद सचिव श्री आशीष जैन भंसाली ने कहा कि पेपर पर्यावरण-अनुकूल और पूरी तरह पुनर्चक्रण योग्य उत्पाद है। एफटीसीसीआई अध्यक्ष श्री के.के. माहेश्वरी ने उद्योग के साथ पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

नेशनल पेपर डे 1940 में पुणे में हस्तनिर्मित पेपर संस्थान के उद्घाटन की स्मृति में मनाया जाता है। इस अवसर पर कई उद्योग नेताओं ने संबोधित किया।

काठमांडू में श्रद्धा और भक्ति के साथ मना श्री रानी सती दादीजी का झूला उत्सव

काठमांडू, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री रानी सती सेवा संघ, काठमांडू के तत्वावधान में कमाल पोखरी स्थित अग्रवाल सेवा केंद्र में श्री रानी सती दादीजी का पावन झूला उत्सव एवं भव्य भजन संध्या श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर दादीजी के दर्शन किए तथा भक्ति रस में सराबोर वातावरण का आनंद लिया।

कार्यक्रम में राजस्थान के अजमेर से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री कुंवर तेजस राणा ने अपनी मधुर व भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिन पर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति भाव में झूम उठे। संपूर्ण परिसर जयकारों और भजनों से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। इस पावन अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल ने विशेष रूप से कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने श्री रानी सती दादीजी के दरबार में मस्तक टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सभी श्रद्धालुओं के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

उत्सव में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर झूला उत्सव एवं भजन संध्या का आनंद लिया। कार्यक्रम के उपरांत संघ की ओर से सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई, जिसका सभी ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री रानी सती सेवा संघ, काठमांडू के अध्यक्ष श्री राकेश जालान ने आयोजन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, कलाकारों, पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं श्रद्धालुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, श्रद्धा और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बॉक्सिंग में...

13.28 मीटर का थ्रो कर रजत पदक अपने नाम किया।

पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा में प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता, जबकि युवा एथलीट सेल्वा प्रभु ने 16.52 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

पदक तालिका में भारत ने लगाई लंबी छलांग

शनिवार को शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत अब 12 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 36 पदकों के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। शुक्रवार तक भारत 10वें स्थान पर था, लेकिन लगातार पदक जीतकर उसने अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर लिया।

इन खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

मीराबाई चानू – महिला 48 किग्रा (वेटलिफ्टिंग)

शर्मिला धनखड़ – महिला शॉट पुट (पैरा एथलेटिक्स)

दिलीप महादू गावित – पुरुष 100 मीटर टी-47 (पैरा एथलेटिक्स)

अस्मिता डे – महिला 48 किग्रा (जूडो)

हर्ष सिंह – पुरुष 60 किग्रा (जूडो)

प्रीति पवार – महिला 54 किग्रा (मुक्केबाजी)

जैस्मिन लंबोरिया – महिला 57 किग्रा (मुक्केबाजी)

सोमन राणा – पुरुष शॉट पुट (पैरा एथलेटिक्स)

जूडो में उन्नति शर्मा सेमीफाइनल में, अन्य खिलाड़ियों को रेपचेज से उम्मीद

जूडो की महिला 63 किलोग्राम स्पर्धा में उन्नति शर्मा ने न्यूजीलैंड की कोना क्रिस्टी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं हर्ष टोकस (81 किग्रा), इनुनगांबी तखेलाबाम (70 किग्रा) और करणजीत सिंह मान (90 किग्रा) अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले हार गए। हालांकि इन खिलाड़ियों के पास रेपचेज के माध्यम से कांस्य पदक जीतने का अवसर रहेगा।

स्प्रिंट स्पर्धा में निराशा

पुरुषों की स्प्रिंट स्पर्धा के क्वालिफाइंग दौर में डेविड बैकहम, रोनाल्डो सिंह और रोहित सिंह शीर्ष-16 में स्थान बनाने में असफल रहे और प्रतियोगिता से बाहर हो गए। हालांकि अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने देश के पदक अभियान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया।

12 साल में...

पूनावाला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक इतिहास से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के उदाहरण देखने को मिले हैं।

उन्होंने दावा किया कि विभिन्न कांग्रेस शासित राज्यों में सोशल मीडिया पोस्ट और विरोध प्रदर्शनों को लेकर लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। पूनावाला ने केरल में राहुल गांधी के कथित अपमान से जुड़े सोशल मीडिया मामलों तथा कर्नाटक में पोस्टर और एक रैप कलाकार के विरुद्ध हुई पुलिस कार्रवाई का भी उल्लेख किया।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीमाएं लगाई गईं, जबकि इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर विपक्षी नेताओं को जेल भेजा था।उन्होंने अपने वक्तव्य में असम आंदोलन, नवनिर्माण आंदोलन और अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का भी उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर विरोध की आवाजों को दबाने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश का दिया संदर्भ

शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज जब कुछ छात्रों ने प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत माता के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया, तब भी प्रधानमंत्री ने कठोर कार्रवाई की मांग करने के बजाय उन्हें क्षमा करने और उनकी गलतियों से सीखने का अवसर देने की बात कही।

उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में पुनः व्यंग्य करते हुए कहा, मोदी जी, 12 साल हो गए, आप तानाशाह नहीं बन पाए। आपने उन लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, जो आपको तानाशाह कहते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार देर रात जारी अपने वीडियो संदेश में कहा था कि नीट प्रदर्शन के दौरान उनकी दिवंगत माता के प्रति आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग उन्हें दुख पहुंचाने वाला था, लेकिन उन्होंने समाज से छात्रों को माफ करने तथा उन्हें सही दिशा दिखाने की अपील की थी।

निवेश...

उन्होंने कहा, गत 12 वर्ष में सिर्फ हवाई अड्डों की संख्या ही नहीं बढ़ी है, हमारी उड़ान योजना के कारण आज गरीब परिवार के लोगों को भी जहाज में बैठने का अवसर मिल रहा है। इस योजना ने गरीब से गरीब को अपना सपना पूरा करने में मदद की है। कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

श्री मोदी ने कहा, पहले जब हवाई अड्डा बनते थे, तो उन पर एक ही परिवार के नाम पर चढ़ जाते थे, हमने इस परंपरा को बदला, हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम वाल्मीकि के नाम से जोड़ा, हमने पंजाब में संत रविदास जी के नाम से हवाई अड्डा का नाम जोड़ा। केंद्र की राजग सरकार ने यह निर्णय किया है कि इस नए एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर होगा। आंध्र प्रदेश का जो भी नागरिक, इस हवाई अड्डा से यात्रा करेगा, देश और दुनिया का जो भी नागरिक इस एयरपोर्ट से यात्रा करेगा, उसे अल्लूरी सीताराम राजू जी के नाम से जनसेवा और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह धरती अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम राजू जी ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज उसी धरती पर आंध्र प्रदेश के एक नये हवाई अड्डा की शुरुआत हो रही है। यह हवाई अड्डा आंध्र और उत्तर आंध्र की विकास का रन-वे है। यह आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लाँन्च पैड है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सरकार समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है और चाहती है कि विशाखापत्तनम से लगा पूरा क्षेत्र तटीय आर्थिक गलियारे के रूप में विकसित हो, इसी लक्ष्य के साथ विशाखापट्टनम से कृष्णापट्टनम तक पुराने बंदरगाहों को आधुनिक रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा मुलापेटा और रामायापट्टनम में नये बंदरगाह बनाए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ पूरे आंध्र में राजमार्ग और एक्सप्रेसवे का नेटवर्क तैयार हो रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि विशाखापट्टनम-रायपुर एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं इस पूरे क्षेत्र में विकास को रफ्तार दे रही हैं। ये पूरा क्षेत्र देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से आसानी से जुड़े ,इसके लिए आज आंध्र प्रदेश में करीब एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राज्य के पूरे रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हो चुका है। यहां 70 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। इस क्षेत्र के विकास में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश हमेशा भविष्य की सोच रखने वाला प्रदेश रहा है। सॉफ्टवेयर, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और टेक सेक्टर में आंध्र के युवाओं ने पूरी दुनिया में अपना डंका बजाया है। इसीलिए, सरकार यहां की प्रतिभा को, आंध्र प्रदेश की विकास ऊर्जा से जोड़ना चाहती है। उन्होंने कहा, युवाओं की प्रतिभा का लाभ आंध्र प्रदेश और देश को ज्यादा से ज्यादा मिले, ये बहुत आवश्यक है। इसके लिए हमारा ध्यान अब सेमीकंडक्टर जैसी भविष्य की तकनीक उद्योग पर है। विशाखापट्टनम में नए सेमीकंडक्टर प्लांट का शिलान्यास, इसी दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। श्री चंद्रबाबू के नेतृत्व में हमारा आंध्र अब सॉफ्टवेयर के साथ-साथ विनिर्माण का भी हब बनेगा। इससे आंध्र में भविष्य की नौकरियां तैयार होगी, टेक उद्योग के लिए नया वातावरण तैयार होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां सेमीकंडक्टर के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अवसंरचना और डेटा सेंटर पर भी काम हो रहा है। गूगल ने भी यहां 15 अरब डॉलर के निवेश से एआई और क्लाउड अवसंरचना परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कई अन्य वैश्विक कंपनियां यहां नयी संभावनाएं देख रही हैं। इसका बहुत बड़ा फायदा आंध्र प्रदेश के साथ-साथ देश के युवाओं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार नक्कापल्ली में बड़े फार्मा पार्क के लिए भी सहयोग दे रही है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अकेले रायलसीमा क्षेत्र में पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा, मैं आज आंध्र प्रदेश के आप सभी लोगों को फिर विश्वास दिलाता हूं कि ऐसी हर संभावनाओं को साकार करने के लिए दिन-रात यह डबल इंजन सरकार काम करती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछली तीन यात्राओं में ही मैंने दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया है। हम विशाखापट्टनम आर्थिक क्षेत्र को देश के बड़े औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है इसे एशिया का प्रमुख आर्थिक केंद्र बनाने का है। यह हवाई अड्डा से लेकर सेमीकंडक्टर इकाई तक इसी मिशन का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि आज का यह आयोजन नया इतिहास, नये रिकॉर्ड रचने का भी है। आज एक ओर विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, तो साथ ही धीमसा डांस का सांस्कृतिक रिकॉर्ड भी रचा गया है और यह श्री चंद्रबाबू की विशेषता है कि उन्होंने दो क्षितिजों को छुआ है। उन्होंने कहा, एक तरफ ऊंची आसमान को छूने वाली व्यवस्था हवाई अड्डा का निर्माण और दूसरी तरफ मेरे यहां की आदिवासी बहनों के द्वारा धीमसा नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाना मैं श्री चंद्रबाबू के इस विजन को विशेषरूप से सराहना करता हूं।

श्री मोदी ने कहा, तेरह हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति, उनका उत्साह, उनका अनुशासन और आदिवासी संस्कृति का गौरव, ये दृश्य वाकई अद्भुत था। इसमें देश की विविधता की झलक भी थी और पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखी गई जनजातीय विरासत भी थी। मैं इस प्रस्तुति के लिए आप सभी का और विशेष रूप से मेरी आदिवासी बहनों और बेटियों का बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं।

सावन की फुहारों के बीच अग्रवाल समाज गच्चीबावली महिला शाखा की सावन की सैर संपन्न

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, गच्चीबावली महिला शाखा डरा आयोजित सावन की सैर कार्यक्रम कोंडापुर स्थित बोटैनिकल गार्डन में उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने महाराजा अग्रसेन के जयघोष के साथ सावन की फुहारों और प्राकृतिक सौंदर्य का भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ योगा एरिया में शाखा अध्यक्ष गीता अग्रवाल द्वारा सभी सदस्याओं के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने शाखा की मानद मंत्री नेहा अग्रवाल, सह मंत्री शिवानी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आशा अग्रवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य कीर्ति संघी, शालू गुप्ता एवं पायल गर्ग के सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका परिचय कराया।

इस अवसर पर शाखा से जुड़ी नई सदस्याओं का भी परिचय कराया गया तथा उनका सम्मान किया गया। सावन की सैर का यह भव्य आयोजन शाखा की सह मंत्री शिवानी अग्रवाल के मुख्य संयोजन तथा पायल गर्ग, नीतू अग्रवाल एवं नेहा टिबरेवाल के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सफल आयोजन के लिए सभी संयोजिकाओं को सम्मानित कर बधाई दी गई।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्याओं ने अध्यक्ष गीता अग्रवाल द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट कटलेट्स, पकोड़े एवं वेलकम ड्रिंक का आनंद लिया। इसके बाद सभी ने प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर बोटैनिकल गार्डन का भ्रमण किया। हरियाली, विभिन्न थीम गार्डन, झील एवं नौका विहार जैसी आकर्षक व्यवस्थाओं का सभी ने भरपूर आनंद उठाया।

गार्डन के सुंदर योगा एरिया में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। तंबोला बंपर पुरस्कार अनीता अग्रवाल ने जीता, जबकि अन्य खेलों में मोनिका प्रथम स्थान पर रहीं। हल्की-हल्की रिमझिम बारिश के बीच छाते लेकर घूमना, झूला झूलना और सावन के गीत गाना कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसने सभी को वास्तविक सावन उत्सव का आनंद प्रदान किया।

दोपहर के समय सभी उपस्थित सदस्याओं को भोजन के पैकेट वितरित किए गए। पूरे कार्यक्रम के दौरान सौहार्द, अपनापन और उत्साह का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम में गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, पायल गर्ग, नीतू अग्रवाल, नेहा टिबरेवाल, शालू गुप्ता, संतोष अग्रवाल, संगीता टांटिया, सुरुचि अग्रवाल, नेहा छपरिया मस्कारा, कीर्ति संघी, प्रतिभा गर्ग, प्रियंका कमरिया, अनीता अग्रवाल, अभिलाषा अग्रवाल, ऋचा संघी, मंगला धानुका, लीला अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, सुनीता शाह, भारती, सृष्टि अग्रवाल, उषा अग्रवाल, ज्योति, श्वेता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, गुंजन कुमारी अग्रवाल, मोनिका सहित बड़ी संख्या में सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में शिवानी अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं सदस्याओं के प्रति आभार व्यक्त किया। हरियाली तीज के अवसर पर पुनः मिलकर ऐसे ही पारिवारिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के संकल्प के साथ सभी ने एक-दूसरे से विदा ली।

सेवा और संस्कार से ही बदलेगा समाज, अन्नदान और गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक एवं निराश्रित लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया तथा गौ माता की सेवा कर समाज में मानवता, करुणा और भारतीय संस्कृति का संदेश दिया गया। प्रतिदिन चलने वाला यह सेवा अभियान आज हैदराबाद में मानव सेवा की एक सशक्त पहचान बन चुका है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति केवल आर्थिक विकास से नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के संस्कार, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व से होती है। आज समाज में बढ़ती स्वार्थपरता, संवेदनहीनता और पारिवारिक मूल्यों में आ रही गिरावट चिंता का विषय है। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह अपने जीवन का कुछ समय और अपनी आय का एक हिस्सा समाज सेवा के लिए अवश्य समर्पित करेगा।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल भूखे व्यक्ति को भोजन कराना नहीं, बल्कि समाज में यह चेतना जगाना है कि ''जब तक हमारे आसपास कोई व्यक्ति भूखा है, तब तक हमारा भोजन पूर्ण नहीं है।'' अन्नदान केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता को जीवित रखने का सबसे पवित्र कार्य है। एक समय का भोजन किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा की नई किरण जगा सकता है। महेश अग्रवाल ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था और सनातन जीवन दर्शन की आधारशिला हैं। गौ सेवा करना केवल धार्मिक परंपरा का पालन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन भी है। जब तक गौ माता सुरक्षित रहेंगी, तब तक हमारी सनातन संस्कृति और भारतीय जीवन मूल्य सुरक्षित रहेंगे।

उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज का युवा यदि अपनी ऊर्जा का एक छोटा-सा हिस्सा भी समाज सेवा, अन्नदान, गौ सेवा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता में लगाए, तो देश का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बन सकता है। समाज परिवर्तन केवल भाषणों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सेवा कार्यों से होता है।

उन्होंने कहा कि आज लोग जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ और अन्य आयोजनों पर लाखों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन यदि उसी अवसर पर कुछ जरूरतमंद परिवारों को भोजन कराया जाए, गौ माता के लिए चारा उपलब्ध कराया जाए या किसी गरीब बच्चे की शिक्षा में सहयोग किया जाए, तो वह उत्सव वास्तव में सार्थक बन जाएगा। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं और परोपकार से बड़ा कोई यज्ञ नहीं है।

महेश अग्रवाल ने समाज के प्रत्येक नागरिक से आग्रह किया कि वे जाति, भाषा, क्षेत्र और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा को अपना जीवन धर्म बनाएं। जब समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति एक जरूरतमंद परिवार का सहारा बनने का संकल्प लेगा, तब कोई भी व्यक्ति भूखा, असहाय या उपेक्षित नहीं रहेगा। यही सच्चे अर्थों में राष्ट्र सेवा और ईश्वर की उपासना है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान, गौ सेवा एवं विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में प्रेम, सहयोग, भाईचारे और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। संस्था का यह सेवा अभियान अनेक लोगों के लिए प्रेरणा बन चुका है तथा प्रतिदिन नए सेवाभावी लोग इससे जुड़कर समाजहित में अपना योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता उपस्थित रहे।

मदनूर में समाज सुधारक अन्नाभाऊ साठे की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

विभिन्न गांवों में दी गई श्रद्धांजलि, सरपंच ऊषा संतोष ने उनके जीवन एवं संघर्षों पर डाला प्रकाश

मदनूर, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदनूर मंडल मुख्यालय सहित विभिन्न गांवों में महाराष्ट्र के महान लोकतंत्रवादी, साहित्यकार एवं समाज सुधारक अन्नाभाऊ साठे की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच ऊषा संतोष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने अन्नाभाऊ साठे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक, साहित्यिक और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया।

अपने संबोधन में सरपंच ऊषा संतोष ने बताया कि अन्नाभाऊ साठे का मूल नाम तुकाराम भाऊराव साठे था। उनका जन्म 1 अगस्त 1920 को महाराष्ट्र के सांगली जिले के वाटेगांव में हुआ था। अत्यंत गरीब परिवार से होने के कारण वे मात्र डेढ़ दिन ही विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर सके, लेकिन कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने साहित्य और सामाजिक कार्यों से देशभर में विशिष्ट पहचान बनाई।उन्होंने बताया कि अन्नाभाऊ साठे का प्रसिद्ध उपन्यास 'फकीरा' मराठी साहित्य की अमूल्य धरोहर माना जाता है। वर्ष 1961 में इस उपन्यास के लिए उन्हें महाराष्ट्र सरकार का सर्वश्रेष्ठ उपन्यास पुरस्कार प्रदान किया गया था।

वक्ताओं ने कहा कि अन्नाभाऊ साठे ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अन्याय, शोषण और सामाजिक असमानता के विरुद्ध हमेशा बुलंद आवाज उठाई। उन्होंने समाज में समानता, मानवता और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

काठमांडू में महेश अग्रवाल सम्मानित

काठमांडू, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नेपाल की प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्था डॉ. कृष्णचंद्र मिश्रा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठमांडू के प्रकाशक श्री सच्चिदानंद मिश्रा ने शुक्रवार को काठमांडू स्थित श्री महावीर जैन भवन में हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के परामर्शदाता एवं अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर श्री सच्चिदानंद मिश्रा ने श्री महेश अग्रवाल को संस्था द्वारा प्रकाशित विभिन्न पुस्तकों एवं साहित्य का विशेष सेट भेंट किया। साथ ही अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर उनका सम्मान किया। दोनों के बीच हिंदी भाषा, साहित्य, पत्रकारिता तथा भारत-नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर बताया गया कि डॉ. कृष्णचंद्र मिश्रा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड पिछले लगभग 20 वर्षों से नेपाल में 'हिमालिनी' नामक हिंदी मासिक पत्रिका का नियमित प्रकाशन कर रहा है। यह पत्रिका हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं भारत-नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

भेंट के दौरान हिंदी भाषा के संवर्धन, साहित्यिक गतिविधियों के विस्तार तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने भविष्य में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल में बेहतर सेवाओं के निर्देश

पेद्दापल्ली, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।सरकार का मुख्य लक्ष्य सरकारी अस्पतालों में लोगों को अच्छी और आसानी से उपलब्ध चिकित्सा सेवाएं देना है। सरकारी व्हिप विधायक चिंतकुंटा विजयरामना राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पतालों में आवश्यक सुविधाएं, चिकित्सा उपकरण, दवाएं और मानव संसाधन उपलब्ध कराने के ठोस कदम उठाए जाएं।

जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने शनिवार को पेद्दापल्ली जिला सरकारी अस्पताल में आयोजित हॉस्पिटल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचडीएस) की बैठक में विधायक के साथ भाग लिया। बैठक में अस्पताल के विकास, चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और मरीजों के लिए बेहतर सुविधाओं का रिव्यू किया गया।

विधायक ने कहा कि पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल की सेवाएं पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई हैं और आसपास के लोग भी इनका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को निरंतर जारी रखने, आधुनिक उपकरण खरीदने, सभी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, नर्सिंग स्टाफ की कमी दूर करने, सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने, गर्भवती महिलाओं को अनिवार्य भर्ती व सेवाएं देने तथा 102 एम्बुलेंस की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने कहा कि प्रत्येक विभाग को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए ताकि दवाएं, उपकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर बिना बाधा उपलब्ध रहें।

उन्होंने सफाई, सैनिटेशन, पेयजल गुणवत्ता, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने तथा डीईआईसी सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर दिया।बैठक में जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वाई. पवित्रा, नगरपालिका उपाध्यक्ष मुस्कान नाज़, आईआरसीएस सचिव कावेती राजगोपाल, लायंस क्लब अध्यक्ष मीसला सत्यनारायण, जिला महिला संघ अध्यक्ष स्वप्ना, आरएमओ डॉ. विजयकुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गायत्री विद्यानिकेतन में भव्य वनमहोत्सव, 1050 पौधे वितरित

पेद्दापल्ली, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आज पेद्दापल्ली स्थित गायत्री विद्यानिकेतन में एक भव्य वनमहोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 1050 गुलाब, गुड़हल, अमरूद, सपोटा, अंजीर, शहतूत, आंवला, सीताफल तथा विभिन्न प्रकार के फूल, फल और औषधीय पौधे विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को वितरित किए गए।

गायत्री विद्यानिकेतन के अध्यक्ष श्रीनिवास ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक वर्ष वनमहोत्सव का आयोजन करके विद्यार्थियों में बचपन से ही प्रकृति प्रेम, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी अपने घरों में इन पौधों को लगाकर उनकी देखभाल कर रहे हैं तथा इनसे प्राप्त फूलों और फलों का आनंद ले रहे हैं। अभिभावकों से भी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, जो हमें हर साल इस कार्यक्रम को और अधिक उत्साह के साथ आयोजित करने के लिए प्रेरित करता है।

संवाददाता रजनी देवी ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों को बचपन से ही प्रकृति से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मानसून का मौसम पौधरोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है, इसलिए इस अवसर पर पौधे वितरित किए गए। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी से एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।

गायत्री विद्यानिकेतन के शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने प्रेमपूर्वक प्राप्त पौधों को रोपा और उनकी जिम्मेदारीपूर्वक देखभाल करने का संकल्प लिया। हरे-भरे पेड़... प्रगति के कदम नारे के साथ आयोजित इस कार्यक्रम को सभी ने सराहा।

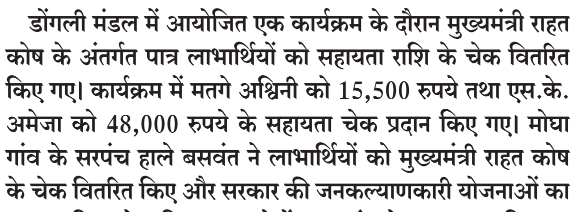

डोंगली मंडल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में मतगे अश्विनी को 15,500 रुपये तथा एस.के. अमेजा को 48,000 रुपये के सहायता चेक प्रदान किए गए। मोघा गांव के सरपंच हाले बसवंत ने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री राहत कोष के चेक वितरित किए और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

'द इनर स्टोरी' ट्रेड फेयर का सफल आयोजन एवं आध्यात्मिक यात्रा भी संपन्न

बेंगलूरु, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के तत्वावधान में विगत दिनों पैलेस ग्राउंड, बेंगलूरु में आयोजित तीन दिवसीय 'द इनर स्टोरी' इनरवियर ट्रेड फेयर का आयोजन सफल एवं सुव्यवस्थित रहा। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि इस अवसर पर तीन दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिनिधिमंडल ने सर्वप्रथम उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने मोहनखेड़ा तीर्थ और भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी पदाधिकारियों ने ट्रेड फेयर की सफलता, व्यापार जगत की समृद्धि एवं सभी सदस्यों के सुख, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

इस आध्यात्मिक यात्रा एवं ट्रेड फेयर में एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, गौरव शर्मा, सचिव कृष्णमूर्ति, कोषाध्यक्ष राजेश चोपड़ा, संयुक्त सचिव सूरज शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, मूल सिंह राजपुरोहित, निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप जैन, मनीष जैन, शेंकी जैन, माधुराम खदाव, श्रीपाल मेहता, भरत जैन, अमित जैन, विक्रम दास, मिश्रीलाल प्रजापत एवं घेवरलाल बोराना सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्रतिनिधियों ने कहा कि देशभर के प्रमुख ब्रांडों, निर्माताओं, वितरकों एवं व्यापारियों की व्यापक भागीदारी के कारण 'द इनर स्टोरी' ट्रेड फेयर देश के सबसे बड़े और सफल इनरवियर व्यापार मेलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में यह आयोजन और अधिक भव्य एवं सफल स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

क्वारी जातरा के लिए विशेष ट्रैफिक रूट मैप जारी

मंचेरियाल, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आषाढ़ मास के बोनालु उत्सव के अवसर पर मंचेरियाल के क्वारी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध क्वारी जातरा में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रैफिक रूट मैप तैयार किया गया है। मंचेरियल नगर निगम के मेयर दर्नी मधुकर ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मंचेरियल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव के निर्देश तथा मंचेरियल पुलिस विभाग की सलाह पर यह निर्णय लिया गया है। मेयर ने बताया कि डीमार्ट से एसीसी क्वारी जाने वाली राल्लावागु एप्रोच रोड के बाढ़ में क्षतिग्रस्त होने के कारण श्रद्धालुओं के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

जातरा जाने वाले श्रद्धालु डीसीपी कार्यालय के पास से – कार्मेल स्कूल – ग्रीन सिटी होते हुए जा सकते हैं। वापसी में अंडालम्मा कॉलोनी – रंगमपेट होते हुए जाएं।

मेयर दर्नी मधुकर ने श्रद्धालुओं से पुलिस और नगर निगम द्वारा निर्धारित ट्रैफिक मार्गों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे ट्रैफिक जाम से बचाव होगा और सभी श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुगमता से जातरा में शामिल हो सकेंगे।

इस अवसर पर मेयर दर्नी मधुकर ने मंचेरियल नगर के सी.आई. प्रमोद कुमार, निगम कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद तुमुला नरेश, पुलिस विभाग और नगर निगम के अन्य अधिकारियों के साथ बाढ़ से क्षतिग्रस्त राल्लावागु ब्रिज क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद काकुला वरलक्ष्मी, युवराज, मार्केट कमेटी अध्यक्ष रामगिरि बानेश, उपाध्यक्ष जाले रायलिंगु, नगर निगम के अधिकारी तथा स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

धूलपेट सड़क चौड़ीकरण को लेकर जीएचएमसी आयुक्त को सौंपा गया ज्ञापन

राजा सिंह ने जनहित परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र शुरू करने की उठाई मांग

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के धूलपेट मार्ग के बहुप्रतीक्षित सड़क चौड़ीकरण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग को लेकर विधायक टी. राजा सिंह ने शनिवार को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त से मुलाकात कर एक विस्तृत लिखित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण जनहित परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रारंभ करने का अनुरोध किया।

मंत्री के निर्देशों के बाद तेज हुई प्रक्रिया

ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में तेलंगाना सरकार के मंत्री श्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जीएचएमसी आयुक्त को घैगुड़ा कामान से पुराना पुल गांधी स्टैच्यू तक सड़क चौड़ीकरण का विस्तृत प्लान तैयार करने, लागत का अनुमान (एस्टिमेट) बनाने तथा कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में विधायक टी. राजा सिंह ने आयुक्त से मुलाकात कर इस परियोजना को जल्द अमल में लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सड़क चौड़ीकरण से मिलेगा ट्रैफिक जाम से स्थायी समाधान

विधायक ने अपने ज्ञापन में कहा कि घैगुड़ा कामान से पुराना पुल गांधी स्टैच्यू तक सड़क चौड़ीकरण होने से क्षेत्र में लंबे समय से बनी हुई ट्रैफिक जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसके साथ ही आम नागरिकों, व्यापारियों एवं आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगी।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि धूलपेट क्षेत्र भगवान गणेश एवं माता दुर्गा की विशाल प्रतिमाओं के निर्माण के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। सड़क चौड़ी होने से इन विशाल प्रतिमाओं के परिवहन में भी बड़ी सुविधा मिलेगी, जिससे स्थानीय कारीगरों और प्रतिमा निर्माताओं को विशेष लाभ प्राप्त होगा।

जनहित में शीघ्र कार्य शुरू करने की अपील

टी. राजा सिंह ने मंत्री श्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी द्वारा इस महत्वपूर्ण जनहित विषय पर त्वरित पहल किए जाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने जीएचएमसी प्रशासन से आग्रह किया कि सड़क चौड़ीकरण की योजना, लागत अनुमान तथा अन्य सभी आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करते हुए इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को लंबे समय से अपेक्षित राहत मिल सके।

13.24 लाख का हाइड्रोपोनिक गांजा, कोकीन और एलएसडी के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद मादक पदार्थ प्रवर्तन शाखा (एच-एनईडब्ल्यू) ने हुसैनीआलम पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर एक स्थानीय ड्रग तस्कर और मुंबई के एक ट्रांसपोर्टर सहित दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

उनके पास से अनुमानित 13.24 लाख रुपये मूल्य की हाइड्रोपोनिक गांजा (जल-संवर्धित भांग), कोकीन और एलएसडी ब्लॉट जब्त किये गये।

पुलिस ने शनिवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि आरोपियों की पहचान चारमीनार के बाबरी अलावा निवासी चालक मो. सैफ (31) और मुंबई के कुर्ला वेस्ट निवासी बेरोजगार समीर बाबूभाई वाघेला (25) के रूप में हुई है।

उनके पास से 120 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा, 5 ग्राम कोकीन, 27 एलएसडी ब्लॉट, दो मोबाइल फोन और एक मारुति सुजुकी बलेनो कार जब्त की गयी, जिसकी कुल कीमत लगभग 13.24 लाख रुपये है।

पुलिस के अनुसार, मो. सैफ कथित तौर पर मुंबई के आदित्य नामक एक फरार आपूर्तिकर्ता से समीर वाघेला के माध्यम से मादक पदार्थ मंगवाता था।

कथित तौर पर वह इन खेपों को हैदराबाद पहुंचाता था। सैफ पर अपने स्थानीय नेटवर्क के जरिये शहर में लोगों को मादक पदार्थ की आपूर्ति करने का आरोप है।

आरोपियों ने कथित तौर पर अवैध लाभ कमाने और आलीशान जीवन शैली को पूरा करने के लिए ऊंची कीमतों पर प्रतिबंधित सामान बेचा, जबकि मोबाइल संचार का उपयोग करके खरीद और वितरण का समन्वय किया।

पुलिस ने बताया कि सैफ पहले भी आबिद और अफजलगंज पुलिस स्टेशनों में दर्ज आपराधिक मामलों में शामिल रहा था।

ये गिरफ्तारियां 30 जुलाई को विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर हुसैनीआलम पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत खिलवत में मुर्गी चौक के पास चलाये गये एक विशेष अभियान के दौरान की गयीं।

यह अभियान नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ हैदराबाद शहर पुलिस के जारी अभियान के हिस्से के रूप में वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में चलाया गया था।

पुलिस ने कहा कि फरार आपूर्तिकर्ता का पता लगाने और उसे पकड़ने तथा अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी तंत्र के अन्य सदस्यों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

हैदराबाद पुलिस ने जनता से मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील की और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और मादक पदार्थों के सेवन के स्वास्थ्य, सामाजिक और कानूनी परिणामों के बारे में जागरूकता पैदा करें।

उन्होंने नागरिकों से ड्रग तस्करी से संबंधित जानकारी हैदराबाद मादक पदार्थ प्रवर्तन शाखा या निकटतम पुलिस स्टेशन को देने का भी अनुरोध किया और आश्वासन दिया कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

टीएनजीओ ने विधायक चिंतकुंटा विजयरामना राव को सम्मानित किया

पेद्दापल्ली, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गैर-राजपत्रित अधिकारी संघ (टीएनजीओ) ने पेद्दापल्ली में मंत्रिमंडल का दर्जा प्राप्त करने वाले विधायक चिंतकुंटा विजयरामना राव को सम्मानित किया। राज्य सरकार द्वारा पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विधायक श्री चिंतकुंटा विजयरामना राव को मंत्रिमंडल का दर्जा दिए जाने के अवसर पर, तेलंगाना गैर-राजपत्रित अधिकारी संघ (टीएनजीओ) ने पेद्दापल्ली जिले के तत्वावधान में विधायक को सम्मानित किया और साथ ही पेद्दापल्ली जिला टीएनजीओ भवन के निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 10 लाख रुपये स्वीकृत करने के लिए भी उन्हें बधाई दी। विधायक शिविर कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता टीएनजीओ के जिला अध्यक्षों और कर्मचारी संघों की जेएसी के अध्यक्ष बोनकुरी शंकर ने सचिव ऐरेड्डी संदीप रेड्डी, टीएनजीओ जिला कार्यकारी समिति के सदस्यों और विभिन्न विभागों के कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों के साथ की। बैठक में सबसे पहले रंगचार्य और पवन हरीश ब्राह्मण विद्वानों ने वैदिक शास्त्रों का पाठ करके कर्मचारियों को आशीर्वाद दिया और फिर उन्हें शॉल, गजमाला और पगड़ी भेंट की।

बीजेवाईएम का विरोध प्रदर्शन

रेवंत रेड्डी के बयान पर पुतला दहन, एफआईआर के खिलाफ उठाई आवाज

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा डिग्री छात्रों को ''अपराधी'' कहे जाने वाले बयान के विरोध में बीजेवाईएम (इगधच्) राज्य टीम ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका। संगठन का कहना है कि इस तरह के बयान छात्र समुदाय का अपमान हैं और इन्हें किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।बीजेवाईएम ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ सरकार लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा और बीजेवाईएम कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले (मामले/ऋखठ) दर्ज किए जा रहे हैं। हम सवाल उठाते हैं कि क्या शांतिपूर्ण प्रदर्शन के जरिए छात्रों के मुद्दों को उठाना अब अपराध माना जा रहा है?

हमारी मांग बिल्कुल स्पष्ट है: तेलंगाना सरकार को तुरंत बकाया फीस प्रतिपूर्ति (ऋङ्गश ठशळालींऔशाशपीं) की राशि जारी करनी चाहिए और लाखों छात्रों के भविष्य की रक्षा करनी चाहिए।

किसी भी एफआईआर या धमकी से हमारा आंदोलन रुकने वाला नहीं है। जब तक हर पात्र छात्र को उसकी बकाया फीस प्रतिपूर्ति नहीं मिल जाती, तब तक भाजपा और बीजेवाईएम पूरे तेलंगाना में ऋङ्गशी-इरज्ञळइगझडरवरळ अभियान जारी रखेंगे।

मोदी के लिए अपशब्द सुनकर बहुत दुख हुआ : पवन कल्याण

विजयनगरम,01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और प्रसिद्ध तेलुगू अभिनेता के. पवन कल्याण ने शनिवार को कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों के इस्तेमाल पर उन्हें बहुत दुख हुआ।

श्री पवन कल्याण ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में एएसआर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मोदी पर हुए हमलों से वह भावुक हो गये। श्री पवन कल्याण ने कहा, ''जिन माता-पिता के बच्चे 25 साल से कम उम्र के हैं, उनकी यह जिम्मेदारी है कि वे उन्हें नैतिकता और परंपराएं सिखाएं और सही तरीके से उनकी परवरिश करें, ताकि बच्चे देश के योग्य नागरिक बन सकें।

उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की सराहना की कि उन्होंने उन लोगों को माफ कर दिया जिन्होंने उन्हें अपशब्द कहे।

श्री पवन कल्याण ने जोर देकर कहा कि देश को तरक्की की राह पर ले जाना एक बहुत बड़ा काम है और श्री नरेंद्र मोदी कई बाधाओं को पार करते हुए इसे कुशलता से कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी 144 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश का नेतृत्व कर रहे हैं।

सीआईएसएफ जवानों को आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति किया जागरूक

एनआईआईएमएच द्वारा बीडीएल कंचनबाग में विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं व्याख्यान का आयोजन

हैदराबाद, 01 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय एवं केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के तहत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) यूनिट, बीडीएल कंचनबाग में एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा बलों के अधिकारियों एवं जवानों को आयुष मंत्रालय तथा सीसीआरएएस के अधीन संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं, अनुसंधान गतिविधियों एवं आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य संरक्षण के उपायों की जानकारी प्रदान करना था। साथ ही उन्हें दैनिक जीवन में आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों को अपनाकर स्वस्थ एवं प्राकृतिक जीवनशैली विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में एनआईआईएमएच के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी. पी. प्रसाद के विशेष मार्गदर्शन में संस्थान के प्रतिनिधि दल ने सहभागिता की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रसाद ने प्रकृति परीक्षण, दिनचर्या, ऋतुचर्या, संतुलित एवं सात्विक आहार तथा रसायन चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोगों की रोकथाम के प्रभावी उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की संपूर्ण जीवनशैली है, जिसे अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है।

व्याख्यान के पश्चात आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में डॉ. जी. पी. प्रसाद तथा डॉ. संतोष माने (अनुसंधान अधिकारी – आयुर्वेद) ने उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों की स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जिज्ञासाओं का वैज्ञानिक एवं आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से समाधान किया।

स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपस्थित प्रतिभागियों को आयुर्वेद, घरेलू उपचार एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित सूचना, शिक्षा एवं संचार सामग्री (आईईसी) तथा जागरूकता पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों के संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए एनआईआईएमएच की ओर से सीआईएसएफ परिसर के उद्यान के लिए विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधे भी भेंट किए गए।

कार्यक्रम में सीआईएसएफ यूनिट, बीडीएल कंचनबाग के वरिष्ठ समादेष्टा श्री सुचित त्यागी एवं सहायक समादेष्टा श्री पी. सुभाष की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने एनआईआईएमएच के प्रतिनिधि दल का सम्मान करते हुए इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में एनआईआईएमएच के श्री के. श्रीनिवास राव (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक) ने वरिष्ठ अधिकारियों, निरीक्षक श्री बी. एस. मीना, निरीक्षक श्री डी. एस. कल्याण, सब-इंस्पेक्टर श्री राजशेखर तथा सभी जवानों की सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के समापन पर सीआईएसएफ यूनिट बीडीएल, कंचनबाग के अधिकारियों एवं जवानों ने एनआईआईएमएच की इस जन-कल्याणकारी पहल की मुक्तकंठ से सराहना की तथा अपने दैनिक जीवन में आयुर्वेदीय दिनचर्या एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.